हिन्दी दैनिक

राष्ट्र संवाद

आपका राष्ट्र, आपका संवाद

जमशेदपुर से प्रकाशित

RNI No. : JHAHIN - 01092

मूल्य : दो रुपए

rashtrasamvad.com

जमशेदपुर,
बुधवार,8 अक्टूबर 2025

नगर संस्करण
वर्ष: 02,अंक:136

सुविचार

आपने शुरू करने की हिम्मत है तो, आप में सफल होने के लिए भी हिम्मत है ।

हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर में भूस्खलन की चपेट में आई बस, 15 यात्रियों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में मंगलवार को एक निजी बस के बारिश के कारण हुए भूस्खलन की चपेट में आने से कम से कम 15 यात्रियों की मौत हो गई। इस दौरान तीन लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की। सोमवार से इलाके में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। झंडूता उपमंडल के भल्लूपुल के पास एक बड़े भूस्खलन में बस फंस गई थी। मरोटान से घुमारवीं जा रही बस में लगभग 35 यात्री सवार थे।

रिपोर्टों के अनुसार, तीन बच्चों को जीवित बचा लिया गया है और उनका इलाज बरथिन के सरकारी अस्पताल और बिलासपुर के एम्स में चल रहा है।

मलबा हटाने के लिए राज्य के अधिकारियों और मशीनरी को तैनात किया गया है, और लापता यात्रियों का पता लगाने के लिए बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि बस के क्षतिग्रस्त अवशेषों से अब तक 15 शव बरामद किए जा चुके हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहाड़ टूटकर बस पर गिरा और यात्रियों के बचने की

संभावना बहुत कम है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने घटना पर दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वह जिला प्रशासन के लगातार संपर्क में हैं और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने घायलों को तुरंत अस्पतालों में पहुंचाने और उनके इलाज की पर्याप्त व्यवस्था करने के आदेश दिए हैं।

स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें बचाव अभियान के लिए घटनास्थल पर पहुंचीं, जो देर रात तक जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने भी शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के झंडूता इलाके में एक बस के विनाशकारी भूस्खलन में फंस जाने से कई लोगों के मारे जाने या घायल होने की खबर बेहद दुखद है। मैंने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू से दुर्घटनास्थल पर चल रहे राहत और बचाव कार्यों के बारे में जानकारी ली।

आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बेतिया। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन की घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट (आचार संहिता) प्रभावी हो चुकी है। इसी क्रम में पश्चिम चंपारण जिला निर्वाचन कार्यालय, बेतिया की ओर से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता उप निर्वाचन पदाधिकारी, लाल बहादुर राय ने की। उन्होंने उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपेक्षा की कि वे आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करें और जिले में शांति एवं सौहार्द बनाए रखें।

बैठक में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित आचार

संहिता के सभी प्रमुख बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें यह स्पष्ट किया गया कि चुनाव अवधि में किसी भी प्रकार की जाति, धर्म, भाषा या समुदाय आधारित अपील करना प्रतिबंधित रहेगा।

धार्मिक स्थलों (जैसे मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर आदि) का उपयोग राजनीतिक प्रचार के लिए नहीं किया जा सकेगा, किसी भी प्रत्याशी या दल द्वारा सार्वजनिक संपत्ति, दीवारों, भवनों, सरकारी परिसरों पर पोस्टर, बैनर या पेंटिंग नहीं की जाएगी। सभा, रैली, जुलूस आदि के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा, जुलूसों के मार्ग, समय और सुरक्षा व्यवस्था हेतु स्थानीय पुलिस को पूर्व सूचना देना आवश्यक होगा, किसी भी प्रकार की हिंसा, नारेबाज़ी, या दूसरे दलों की बैठकों में विघ्न डालने जैसी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नोडल पदाधिकारी, मीडिया-सह-एमसीएमसी कोषांग राकेश कुमार ने बताया कि जिला स्तर पर मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमिटी गठित की गई है, जो सभी इलेक्ट्रॉनिक, सोशल और प्रिंट मीडिया के राजनीतिक विज्ञापनों की पूर्व स्वीकृति प्रदान करेगी। किसी भी दल या प्रत्याशी को बिना अनुमति विज्ञापन या प्रचार सामग्री प्रकाशित करने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ÷पेड न्यूज़÷ की पहचान होने पर संबंधित प्रत्याशी के व्यय खाते में खर्च जोड़ा जाएगा तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई भी की जाएगी। बैठक में यह भी पुनः बताया गया कि कोई भी मंत्री या जनप्रतिनिधि चुनाव प्रचार के दौरान सरकारी वाहन, अतिथि गृह, शासकीय कार्यालय या सरकारी कर्मचारियों का उपयोग नहीं कर सकेंगे। चुनाव अवधि में किसी भी प्रकार की नई योजना की घोषणा, वित्तीय अनुदान, सड़क निर्माण या सार्वजनिक वितरण से संबंधित नई स्वीकृतियाँ देना प्रतिबंधित रहेगा। नामांकन की अंतिम तिथि ÷ 20 अक्टूबर 2025, नामांकन पत्रों की जांच ÷ 21 अक्टूबर 2025, नाम वापसी की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर 2025 है, मतदान की तिथि 11 नवम्बर 2025, मतगणना की तिथि 14 नवम्बर 2025 सभी प्रत्याशियों को नामांकन के साथ आवश्यक प्रपत्र जैसे नामांकन पत्र, शपथ-पत्र, बैंक खाता विवरण, खर्च पंजीकरण, जाति प्रमाणपत्र (यदि लागू हो), फोटो पहचान पत्र आदि प्रस्तुत करने होंगे।

बिहार में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद 2.04 करोड़ रुपये की जब्ती

राष्ट्र संवाद संवाददाता ,पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद विभिन्न एजेंसियां अब तक करीब 2.04 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध वस्तुएं जब्त कर चुकी हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आयकर, आबकारी, पुलिस, सीमा शुल्क और निगरानी टीम राज्य में सघन जांच अभियान चला रही हैं। बयान के मुताबिक, अब तक 3,60,000 रुपये नकदी, 1.28 करोड़ की शराब, 61.17 लाख रुपये के नशीले पदार्थ, 14.50 लाख रुपये की मुफ्त में दी जाने वाली चीजें और अन्य वस्तुएं जब्त की गई हैं। कुल जब्ती 2.04 करोड़ रुपये बताई गई है।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुई जदयू की बैठक

संजय झा ने कहा-दो से तीन दिनों में राजग में सीट बंटवारे पर होगा फैसला

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव- 2025 की तारीखों की घोषणा के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में हलचल तेज हो गई है। आज मुख्यमंत्री आवास में नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की है।

बैठक में जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, अशोक चौधरी, विजेंद्र यादव, सुनील कुमार और पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक के दौरान पार्टी नेताओं ने सीट बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन पर चर्चा की।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि दो से तीन दिनों में राजग में सीट शेयरिंग पर फैसला हो जाएगा। कहीं

से कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि प्रचंड बहुमत के साथ फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग की सरकार बनेगी। हमलोग 2010 से भी बेहतर प्रदर्शन इस बार करेंगे। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा इसी सिलसिले में आज दिल्ली भी जा रहे हैं। जहां भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के साथ उनकी बैठक अहम होगी। माना जा रहा है कि राजग घटक दलों की बैठक में सीट शेयरिंग पर अंतिम रूप से मुहर लग जाएगी। भाजपा के चुनाव प्रभारी बनाए जाने के बाद धर्मेंद्र प्रधान की पूर्व जदयू अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा से पिछले दिनों पटना में मुलाकात हो चुकी है। वहीं, दिल्ली में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) (एलजेपीआर) अध्यक्ष चिराग पासवान के साथ भी उनकी आज बैठक हुई है।

भाजपा सांसद पर हमला : प्रधानमंत्री के आरोपों पर भड़कीं ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार रात प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान की तीखी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर हुए हमले के लिए राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सोमवार आधी रात के बाद साझा किए गए अपने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने बिना किसी जांच या तथ्यों की प्रतीक्षा किए उत्तर बंगाल की प्राकृतिक आपदा को राजनीति से जोड़ दिया। उन्होंने लिखा, यह दुर्भाग्यपूर्ण और गहरी चिंता का विषय है कि भारत के प्रधानमंत्री ने उचित जांच से पहले ही एक प्राकृतिक आपदा का राजनीतिकरण कर दिया। जब उत्तर बंगाल के लोग बाढ़ और भूस्खलन की विभीषिका से जूझ रहे हैं, तब राजनीति करना अत्यंत असंवेदनशील है।

उपराष्ट्रपति ने दलों के नेताओं से की मुलाकात, राज्यसभा के सुचारू संचालन में सहयोग की अपील

नई दिल्ली,एजेंसी। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को राज्यसभा में विभिन्न दलों के सदन के नेताओं से मुलाकात की और उच्च सदन के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा की। उपराष्ट्रपति ने सदन के विषय पर पहली मुलाकात में इस बात पर ज़ोर दिया कि संवाद, चर्चा और विचार-विमर्श संसदीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांत हैं। उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सभापति ने सदस्यों से आग्रह किया कि वे लोक महत्व के मुद्दों को उठाने के लिए शून्यकाल, विशेष उल्लेख और प्रश्नकाल जैसे उपलब्ध साधनों का पूरा उपयोग करें। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान और राज्यसभा की नियमावली संसदीय संवाद की लक्ष्मण रेखा निर्धारित करती है। उपराष्ट्रपति ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सदन में हर दिन, हर घंटे, हर मिनट, हर सेकंड का उपयोग लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए किया जाना चाहिए। राधाकृष्णन ने सभी नेताओं को उनकी अंतर्दृष्टि और भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया और इस बातचीत को एक बड़ी सफलता बताया। संसद भवन एनक्सी में आयोजित मुलाकात के बाद कुछ सदस्यों ने पत्रकारों से बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि सभापति से उनकी पहली मुलाकात काफी सकारात्मक रही। सभी दल राज्यसभा को सुचारू रूप से चलाने में उनका सहयोग करेंगे। वे अपेक्षा करते हैं कि सभापति पक्ष एवं विपक्ष के साथ समान व्यवहार करेंगे।

संदेह कितना भी प्रबल हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता, बच्चे की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संदेह चाहे कितना भी प्रबल क्यों न हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता। न्यायालय ने 2007 में 10 वर्षीय एक लड़के की हत्या के आरोप से तीन लोगों को बरी कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष के मामले में काफी कमियां सामने आई हैं। रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य किसी भी तरह से आरोपियों के अपराध की ओर इशारा करने वाली परिस्थितियों की शृंखला को पूरा नहीं कर सकते। पीठ ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के नवंबर 2017 के फैसले को चुनौती देने वाली तीन आरोपियों की अपील स्वीकार कर ली। हाईकोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी थी। पीठ ने कहा, वैज्ञानिक परीक्षणों की अनदेखी करते हुए संदिग्ध गवाही के आधार पर दोषी ठहराना सबूत

की जगह संदेह को स्थापित करना है। पीठ ने कहा, जैसा कि सर्वविदित है, संदेह, चाहे कितना भी प्रबल क्यों न हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता। इस तरह अपीलकर्ता संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं। यह देखते हुए कि मामला पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित है, पीठ ने कहा कि पहली और सबसे स्पष्ट परिस्थिति प्राथमिकी में दोनों अपीलकर्ताओं के नामों का छूट जाना था। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट ने इस चूक को स्वीकार किया, लेकिन इसे महत्वहीन बताकर खारिज कर दिया।

क्वांटम मैकेनिक्स के लिए तीन वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से भौतिकी का नोबेल पुरस्कार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

नई दिल्ली। बेहद छोटे स्तर (इलेक्ट्रोन के स्तर) पर दुनिया बदल जाती है और कुछ अजीब-सी घटनायें होती हैं। क्वांटम दुनिया की ये घटनायें कुछ बड़े स्तर पर भी संभव हैं। इस बार का नोबेल पुरस्कार यही साबित करने वाले तीन वैज्ञानिकों को दिया जा रहा है। उनकी खोज से क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, क्वांटम कंप्यूटर और क्वांटम सेंसर सहित क्वांटम प्रौद्योगिकी की अगली पीढ़ी को विकसित करने में मदद मिलेगी। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के अनुसार ÷विद्युत परिपथ में मैक्रोस्कोपिक क्वांटम यांत्रिक सुरंग और ऊर्जा क्वांटीकरण की खोज के लिए÷ इस वर्ष जॉन क्लार्क, माइकल एच डेवोरेट और जॉन एम मार्टिनिस को संयुक्त रूप से

नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया है।ब्रिटेन में जन्मे क्लार्क कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में प्रोफेसर हैं। वहीं फ्रांस में जन्में डेवोरेट, येल विश्वविद्यालय के साथ-साथ कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा में भी प्रोफेसर हैं। मार्टिनिस कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा के प्रोफेसर हैं। इस वर्ष के नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने हाथ में पकड़ने लायक एक बड़े विद्युत परिपथ के साथ प्रयोग किए और साबित किया इस स्तर की प्रणाली में क्वांटम यांत्रिक सुरंग और क्वांटाइज्ड ऊर्जा स्तर दोनों संभव हैं। सामान्य दुनिया में ऊर्जा कम या ज्यादा होती है और दीवार के आर-पार जाना संभव नहीं है। वहीं, क्वांटम दुनिया में ऊर्जा पैकेज में आती है और यहां दीवार जैसी रुकावट को पार कर पाना संभव है।

बिहार चुनाव 2025 : चुनावी बिगुल बजते ही सियासी सरगर्मी शुरु

उप ब्यूरो राष्ट्र संवाद

तेघड़ा/ बेगूसराय । बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का बिगुल बज चुका है। अब पूरे राज्य में पक्ष और विपक्ष दोनों की सियासत सरगर्मियां तेज हो गई है। इस बार सत्ता की जंग में जातीय समीकरण, विकास के वादे, बेरोजगारी, पलायन, महंगाई और कानून-व्यवस्था , एस आई आर में गड़बड़ी , नगद तोहफों की बारिश जैसे मुद्दे बिहार के चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे । इस बार बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार के 243 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में से एक तेघड़ा विधानसभा सीट है । यहां चुनाव पहले चरण में 6 नवंबर को होगी और 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। तेघड़ा सीट पर इस बार मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग), राजद की अगुवाई वाले विपक्षी महागठबंधन एवं जन सुराज के बीच माना जा रहा है। 2020 के विधानसभा चुनाव में तेघड़ा से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रत्याशी राम रतन सिंह ने 84620 वोट

हासिल कर जीत का परचम लहराया था। उन्होंने बड़ी अंतर से जदयू प्रत्याशी वीरेंद्र कुमार महतो को हराया था। वीरेंद्र कुमार के हिस्से 37125 वोट आए। इस सीट का इतिहास खुद में अनोखा है।

यह विधानसभा में अब तक कुल 6 बार चुनाव तेघड़ा के नाम से और नौ बार बरौनी के नाम से हुए। नाम बदले क्षेत्र सीमाएं बदली लेकिन एक चीज जो नहीं बदली वह थी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी(छ्क्ष्) का दबदबा। यह क्षेत्र भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के गिने चुने मजबूत गढ़ में से एक बना रहा। बरौनी के रूप में हुए सभी नौ चुनाव में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने जीत दर्ज की। अक्टूबर 2005 का चुनाव की लगातार 10 वीं जीत लेकर आया। जबकि इससे पहले 1952 और 1957 में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी।

सरकार भ्रम न फैलाए, सारंडा पर वस्तुस्थिति स्पष्ट करे: सरयू राय

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने राज्य सरकार से मांग की है कि सारंडा वन क्षेत्र के मुद्दे पर भ्रम पैदा करने के बजाय वस्तुस्थिति जनता के सामने रखी जाए। उन्होंने कहा कि सारंडा में खनन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन आवश्यक है, लेकिन सरकार इस पर स्पष्ट रुख नहीं अपना रही है।

सरयू राय ने बताया कि सारंडा के लिए अब तक तीन वर्किंग प्लान (1936-1956, 1956-1976, 1976-1996) बने हैं, पर 1996 के बाद नया वर्किंग प्लान नहीं तैयार हुआ। उन्होंने पूछा कि सरकार इन योजनाओं का अध्ययन क्यों नहीं कर रही।

उन्होंने कहा कि 2009 में तत्कालीन वन मंत्री सुधीर महतो ने सारंडा के 630 वर्ग किमी क्षेत्र को अभग्न क्षेत्र घोषित करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे न तो स्वीकारा गया, न खारिज। वहीं,

मधु कोड़ा सरकार के समय खनन लीज आवेदनों की संख्या इतनी थी कि उनका क्षेत्रफल सारंडा के कुल क्षेत्रफल से भी अधिक था।

राय ने बताया कि 2010 से 2014 के बीच केंद्र सरकार की कई उच्च स्तरीय समितियों–जस्टिस एम.बी. शाह आयोग, इंटीग्रेटेड वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट प्लान कमेटी और कैरिंग कैपेसिटी अध्ययन समूह–ने सारंडा में अवैध खनन, पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण पर विस्तृत रिपोर्ट दी, लेकिन राज्य सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की।

उन्होंने सेल पर आरोप लगाया कि कंपनी ने वादे के अनुसार कन्वेयर बेल्ट से लौह अयस्क का परिवहन नहीं किया और बिना पर्यावरण स्वीकृति के वन पथ को चौड़ा कर यातायात मार्ग बना दिया, जिससे वनों और वन्यजीवों को भारी नुकसान हुआ।

सरयू राय ने कहा कि कारो और कोयना नदियां खनन प्रदूषण से लाल हो चुकी हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि सारंडा में खनन से हुए प्रभाव, नियमों के उल्लंघन और खनिज भंडार की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी किया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि जिन कंपनियों का लीज 2020 में समाप्त हो गया, उनके स्थान पर नई नीलामी प्रक्रिया (ऑक्शन) झारखंड सरकार ने अब तक शुरू नहीं की, जबकि ओडिशा ने सभी लीजों का बंदोबस्त कर लिया। इससे राज्य को संभावित ?300 करोड़ का नुकसान हो रहा है।

राय ने सरकार से आग्रह किया कि वह सस्टेनेबल माइनिंग प्लान पर गंभीरता से अमल करे और सारंडा को लेकर पारदर्शी नीति अपनाए।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, राँची ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

राष्ट्र संवाद संवाददाता

राँची :उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने आज सदर अस्पताल, राँची का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, जिला जन संपर्क पदाधिकारी श्रीमती उर्वशी पाण्डेय, डॉ. बिमलेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, सिटी स्कैन यूनिट और कैंटीन की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से मिलकर उनकी समस्याओं और उपचार संबंधी जानकारी ली। अधिकांश मरीजों ने अस्पताल की सेवाओं पर संतुष्टि व्यक्त की।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को मिल रही सुविधाओं की सराहना की और इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कैंटीन में स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता में सुधार लाने का निर्देश दिया।

बच्चा वार्ड सहित अन्य वार्डों में उन्होंने स्वच्छता, चिकित्सकों की उपस्थिति और मरीजों की सुविधा का आकलन किया तथा सिविल सर्जन को व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि सदर अस्पताल राँची जिले का महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र है, जहाँ की सेवाएँ सुगम और गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को मरीजों की सुविधा और संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

जामताड़ा में जनता दरबार: आम लोगों की समस्याओं का ऑन स्पॉट समाधान

राष्ट्र संवाद सं

जामताड़ा : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रवि आनंद की अध्यक्षता में 6 अक्टूबर 2025 को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें जमीन विवाद, अवैध कब्जा, राशन वितरण, वृद्धपेंशन, कन्यादान योजना, आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका पद से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं।

उपायुक्त ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए कई मामलों का ऑन स्पॉट निस्तारण किया तथा शेष मामलों को संबंधित

विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि लंबित शिकायतों का त्वरित और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि वे प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजे से 1 बजे तक आयोजित होने वाले जनता दरबार में निसंकोच अपनी समस्याएं रखें। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पत्रकार सुशील अग्रवाल के शिकायत पर डीजीपी ने दिया जांच का आदेश

राष्ट्र संवाद संवाददाता

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसियेशन द्वारा सौंपे गए पत्र के आलोक में डीआईजी कोल्हान को सुशील अग्रवाल के आवेदन की स्वयं जांच करने का दिया निर्देश

ब्लैक मेलिंग करने वाले न्यूज पोर्टलों को चिन्हित कर JJA ने कार्रवाई की मांग की।

रांची: झारखण्ड में किसी निर्दोष पर नहीं होगी कार्रवाई, लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं पत्रकार, झारखण्ड में कैसी बेकसूर पत्रकार पर नहीं होगी कार्रवाई, उपरोक्त

बातें झारखण्ड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आग झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसियेशन के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात के दौरान कहीं।डीजीपी ने कहा पत्रकार संगठनों को डिजिटल मीडिया के लिए कोड ऑफ कंडक्ट को लागू करवाना चाहिए। आज डीजीपी झारखण्ड से झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसियेशन के संस्थापक शाहनवाज हसन के नेतृत्व में १० सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

इस दौरान श्री हसन ने झारखण्ड के विभिन्न जिलों में संचालित सैंकड़ों की संख्या में संचालित न्यूज पोर्टल के माध्यम से ब्लैक मेलिंग कर उगाही करने वालों पर कार्रवाई की मांग की। श्री हसन ने कहा डिजिटल मीडिया के लिए जारी दूरसंचार मंत्रालय द्वारा वर्ष 2021 की अधिसूचना संख्या DM/19/2021 का पालन कर उन पर अंकुश लगाया जा सकता है। इस संदर्भ में पीआईबी से पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। ज्ञात हो कि सुशील अग्रवाल ने डीजीपी के समक्ष एक गैर मान्यता प्राप्त न्यूज पोर्टल द्वारा ब्लैक मेलिंग एवं उगाही के उद्देश से जादूगोड़ा के साइबर संचालन करने वालों को संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी की संलिप्त होने की बात कही है। जिसे डीजीपी अनुराग गुप्ता ने गंभीरता से लेते हुए कोल्हान प्रमंडलीय डीआईजी को स्वयं मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। इस बाबत पुलिस मुख्यालय द्वारा कोल्हान प्रमंडलीय डीआईजी को को पत्र प्रेषित किया गया है।

काठीजोड़िया में सेविका पद पर अनीता मंडल का हुआ चयन

राष्ट्र संवाद सं

जामताड़ा: मंगलवार को कुंडहित प्रखंड के बिक्रमपुर पंचायत अंतर्गत काठीजोड़िया आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनवाड़ी सेविका चयन को लेकर आमसभा का आयोजन किया गया। मौके बीडीओ मोहम्मद जमाले राजा ने आमसभा में उपस्थित ग्रामीणों को चयन प्रक्रिया को लेकर सरकारी दिशा निदेशों की जानकारी दी। आमसभा के दौरान सेविका पद के लिए अनीता मंडल, शिल्पी माजी, और रीना मंडल ने बतौर उम्मीदवार अपनी दावेदारी पेश की। उम्मीदवारों की योग्यता की समीक्षा के क्रम में उच्चतम शैक्षणिक अंक के आधार पर अनीता मंडल को सर्वसम्मति से सेविका पद के लिए चयन किया गया। शांतिपूर्ण ढंग से चयन के उपरांत चयनित अनीता मंडल को बधाई देकर सभा का समापन किया गया। मौके पर प्रखंड प्रधान लीपीक अबरार अहमद खान, पंचायत सचिव होपना टुडू,प्रभारी प्रधानाध्यापिका लतिका मंडल ,रोजगार सेवक राजीव, पंचायत समिति सदस्य मीर मजीबुल रहमान, बाल विकास परियोजना की पर्यवेक्षिका सबीना हेंब्रम, निर्मला हेम्ब्रम के अलावे काफी संख्या में ग्रामीण महिला और पुरुष उपस्थित थे।

मत्स्य एवं भूमि संरक्षण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

निजाम खान। राष्ट्र संवाद

जामताड़ा: 7 अक्टूबर 2025 को उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में मत्स्य एवं भूमि संरक्षण विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यों की अद्यतन प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त ने मत्स्य विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि अधिक से अधिक पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि जिले में मत्स्य उत्पादन और रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सके। उन्होंने अधिकारियों को यह

भी कहा कि सभी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करें और लाभुकों को समय पर सहायता उपलब्ध कराएं।

वहीं भूमि संरक्षण विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने चल रहे कार्यों की गुणवत्ता और गति दोनों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि भूमि संरक्षण से संबंधित योजनाएं न केवल मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में मददगार हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाती हैं।

बैठक में जिला मत्स्य पदाधिकारी रितु रंजन, भूमि संरक्षण पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तकनीकी विभागों की समीक्षा बैठक संपन्न, अधूरे कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश

राष्ट्र संवाद सं

जामताड़ा : 7 अक्टूबर 2025 को उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में तकनीकी विभागों की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में लघु सिंचाई, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, ग्रामीण कार्य विभाग, भवन, पथ, विद्युत, पेयजल एवं स्वच्छता, एनआरईपी आदि विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए और कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने कहा कि विभागवार

योजनाओं की जांच जिला स्तरीय वरीय अधिकारी करेंगे और जांच प्रतिवेदन उन्हें प्रस्तुत किया जाएगा।

पथ प्रमंडल की समीक्षा के दौरान बताया गया कि छह योजनाओं में से तीन योजनाएं भू-अर्जन समस्या के कारण बाधित हैं। इस पर उपायुक्त ने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए जल्द समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने भवन प्रमंडल को भी गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया तथा अनाबद्ध निधि से चल रहे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने को कहा।

कार्यपालक अभियंता की अनुपस्थिति को उपायुक्त ने गंभीरता से लिया और विभाग को इस संबंध में पत्राचार करने का निर्देश दिया।बैठक में उप विकास आयुक्त निरंजन कुमार, प्रभारी निदेशक डीआरडीए विजय कुमार सहित विभिन्न तकनीकी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महाराजाधिराज जरासंघ की प्रतिमा विखंडित करने पर झारखण्ड में भी रोष और आक्रोश

राष्ट्र संवाद सं

झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के नाम खुला पत्र उपायुक्त को दिया गया

मगध सम्राट जरासंघ की प्रतिमा विखंडित से चंद्रवंशी समाज आहत मर्माहत है दोषियों को गिरफ्तार करें :किशोर कुमार वर्मा

लोहरदगा। अखिल भारत वर्षीय

चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष किशोर कुमार वर्मा के नेतृत्व में लोहरदगा उपायुक्त डॉ. कुमार ताराचंद को ज्ञापन देकर मगध सम्राट जरासंघ महाराज की बिहार की ऐतिहासिक धर्मस्थल बोधगया में प्रतिमा को असामाजिक लोगों द्वारा विखंडित कर दिया गया है जिससे भारत देश के करोडो चंद्रवंशी समाज और झारखण्ड की 35 लाख चंद्रवंशी समाज आहत और मर्माहित है, जिससे आपसी विद्वेष एवं सामाजिक विषमता होने की सम्भावना है। इसलिए ज्ञापन में प्रधानमंत्री से आग्रह किया गया है की चंद्रवंशी समाज की भावना को देखते हुए अविलम्ब दोषियों को गिरफ्तार करें और महाराजा जरासंघ की प्रतिमा को बिहार सरकार पूर्ण निर्माण करें।

इस अवसर पर झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष किशोर कुमार वर्मा ने कहा की देश की करोडो चंद्रवंशी समाज की भावना आहत करने वाले असामाजिक तत्वों को अविलम्ब गिरफ्तार करें और प्रतिमा को सरकारी खर्चा पर पुनरनिर्माण करें अन्यथा बाध्य होकर आंदोलन को बाध्य होंगी।

जर्जर आंगनबाड़ी भवन में पढ़ने को मजबूर हैं बच्चे

राष्ट्र संवाद सं

सेन्हा–लोहरदगा। प्रखंड़ क्षेत्र के झलजमीरा पंचायत अन्तर्गत पतलो का आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर हो गया है.जिस पर छोटे छोटे बच्चे बच्चियां पढ़ने को मजबूर हैं.छेदन उरांव, कृष्णा महली,सुभाष उरांव, बुलेट सिंह,आनंद उरांव, बदरी सिंह,शनीचरवा उरांव ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आंगनबाड़ी केंद्र बहुत पहले बना था.जो बनने के बाद कभी मरम्मती नही हुआ जिसे यह काफी जर्जर स्थिति में है.

उसी आंगनबाड़ी में नन्हे मुन्ने बच्चे बच्चियां पढ़ते हैं.जिसे आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर होने के कारण नवनिहाल बच्चों के लिये भवन खतरा साबित हो रहा है.इसी तरह प्रखंड क्षेत्र के अन्य बहुत सा आंगनबाड़ी केंद्र का भवन पुराना होने के कारण जर्जर अवस्था मे है.

सार-संक्षेप

ग्रामीण कल्याण अस्पताल कुंजबोना में जेम पोर्टल से खरीदे उपकरणों की समीक्षा बैठक संपन्न

राष्ट्र संवाद सं

जामताड़ा : ग्रामीण कल्याण अस्पताल कुंजबोना में 7 अक्टूबर 2025 को उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य अस्पताल में जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदे गए उपकरणों की स्थिति और इंस्टॉलेशन प्रगति की समीक्षा करना था।

उपायुक्त ने अस्पताल में खरीदे गए सभी उपकरणों एवं सामग्रियों की जानकारी ली और निर्देश दिया कि सभी उपकरणों का इंस्टॉलेशन शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने अस्पताल संचालन से जुड़े अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों का सही उपयोग और पारदर्शिता सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित कर समयबद्ध तरीके से सभी कार्य पूर्ण करने को कहा।

बैठक में उप विकास आयुक्त निरंजन कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए जुगनू मिंज, अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, सिविल सर्जन डॉ. आनंद मोहन सोरेन, कार्यपालक अभियंता विद्युत एवं पीएचईडी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मासिक गुरुगोष्ठी हुई आयोजित, दिए गए कई निर्देश

किस्को, लोहरदगा। किस्को प्रखंड अंतर्गत सभी मध्य, उच्च एवं प्लस टू तथा प्राथमिक विद्यालय व सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापक, प्रधान शिक्षकों की मासिक गुरूगोष्ठी मंगलवार को बीआरसी किस्को में आयोजित की गई है। मासिक गुरु गोष्ठी में मुख्य रूप से यू डायस प्लस में पोर्टल में डाटा अपडेट करने, हेबिटेशन से संबंधित रिपोर्ट उपलब्ध कराने, प्रयास कार्यक्रम के मासिक विद्यालयवार प्रतिवेदन एवं चिन्हित बच्चों के गृह संपर्क करने, विद्यालय में पुस्तकालय का उपयोग, विद्यालय में बाल संसद के सदस्यों का नियमित बैठक एवं गतिविधि का क्रियान्वयन, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण, सावित्रीबाई फुले योजना के तहत कक्षा 8 से 12 तक छात्रों का ईवीवी में शत प्रतिशत अपडेट करना एवं एसएचवीआर लिंक व विकसित भारत के लिंक भरने, ईवीवी में शिक्षक-छात्र उपस्थिति, तथा एमडीएम एसएमएस, ई विद्यावाहिनी में छात्रों की विवरणी का अद्यतनीकरण तथा उपस्थिति छात्र व शिक्षक साथ ही प्रोजेक्ट रेल का विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन व ई विद्यावाहिनी में अपलोड करने, एनीमिया से संबंधित मासिक प्रतिवेदन और राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का प्रतिवेदन, सितंबर 2025 का छात्र संख्या विहित प्रपत्र, इको क्लब का ऑनलाइन इंट्री आदि प्रतिवेदन, जेगुरुजी ऐप पर सिलेबस अपडेट करने संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में बीपीओ इंदु अग्रवाल, बीआरपी संजय कुमार, गौतम पांडे, हेमंत पांडे, सीआरपी धर्मेंद्र प्रसाद सोनी, दीनबंधु डे, विजय कुमार, प्रीति अग्रवाल, रामपाल प्रजापति, जनक प्रजापति एमडीएम ऑपरेटर, टाटा सिन्नी के तरुण कुमार, राहुल कुमार, आरती कुमारी पलाश कार्यक्रम के राज्य प्रतिनिधि एवं सभी विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

ओरला में हुई चोरी की घटना को जल्द उदभेदन को लेकर प्रतिनिधि मंडल ने एसपी से किया मुलाकात

कुजू। ओरला में विजयादशमी के दिन ओरला में दो घरों हुई चोरी की घटना का उदभेदन जल्द करने को लेकर मंगलवार को जिला परिषद दयामन्ती देवी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रामगढ़ एसपी से मुलाकात किया। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने एसपी अजय कुमार को ओरला निवासी अनिल कुमार ओर प्रेम कुमार के आवास में विजयादशमी के दिन दोनो के घर में चोरों चोरी की घटना को अंजाम दिया। लेकिन अभी तक तक कोई संतुष्ट कार्यवाही नहीं की गई है, इसके पहले भी हमारे यहाँ ब्रजकिशोर प्रसाद के यहाँ दिन में डकैती हो चुकी है। जिसकी जानकारी आपको भी आवेदन के माध्यम से दिया गया है, परंतु उसकी भी रिकवरी या चोरों का उदभेदन नहीं हो पाया है, ये हादसा बार-बार हमारे यहाँ हो रहा है। प्रतिनिधि मंडल ने चोरी गए समानों व शामिल चोरों का जल्द का उदभेदन नहीं हुआ तो हम सभी ग्रामीणवासी थाना घेराव करने के लिए बाध्य होंगे। इस पर एसपी ने जल्द ही मामले का उदभेदन करने आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल ने जिप प्रतिनिधि ज्योतिंद्र प्रसाद, मुखिया प्रतिनिधि निर्मल करमाली, अनिल कुमार, प्रेम कुमार आदि शामिल थे।

विहिप जिला कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गयी

रामगढ़। विश्व हिंदू परिषद रामगढ़ जिला कार्यालय में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व हिन्दू परिषद् के प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष तिलक राज मंगलम, प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार एवं जिला कार्यकारी अध्यक्ष अतुलेश सिंह उपस्थित हुए। कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों के लोग आमंत्रित थे। महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर एक-एक कर सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष तिलक राज मंगलम ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि विश्व के पहले कवि हैं। महर्षि वाल्मीकि 64 विद्या के ज्ञाता तथा श्रेष्ठ कुलोत्पन्न थे। रामायण महाकाव्य के वे रचनाकार हैं। रामायण के कारण ही भगवान श्रीराम के उदात्त, प्रेरक चरित्र की जानकारी हम सभी को प्राप्त हुई। सारे विश्व में रामायण का असीम, अमिट प्रभाव है। महर्षि वाल्मीकि आश्रम में सीता माता रहीं। वही लव-कुश का जन्म हुआ। उन्हें संस्कारित, प्रशिक्षित करने का कार्य महर्षि वाल्मीकि ने किया। लव कुश श्रीराम की सारी सेना को परास्त किया?।

वहीं प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार ने कहा महर्षि वाल्मीकि एक जाति के नहीं, बल्कि सारे हिन्दू समाज के श्रद्धा केन्द्र हैं। विहिप हिन्दू समाज को संगठित करने का काम करती है।

सभी प्रकार के जातिगत भेदभाव, उच्च-नीचता, अस्पृश्यता मिटाने के लिए परिषद प्रयत्न करती है। भारत में पहले केवल चार वर्ण थे और कोई भेदभाव नहीं था। अस्पृश्यता की बीमारी तो इस्लाम के आक्रमण के बाद बढ़ गई है।

आवश्यकता है

राष्ट्र संवाद मासिक, वेब पोर्टल, साप्ताहिक और दैनिक अखबार के लिए झारखंड-बिहार में हर जिले के लिए पत्रकार की जरूरत है। इसके अलावा पत्रकारिता का शौक रखने वाले चाहे वह अन्य किसी भी राज्य से हो, संपर्क या ईमेल कर सकते हैं।

:: संपर्क ::
9431977839
9102339999

ईमेल : rashtrasamvadgroud@gmail.com

दुर्गा पूजा में तनाव न फैले इसलिए रहे शांत, अब विहिप अधिकारियों को मिले सुरक्षा की मांग

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर :नवरात्र और दुर्गा पूजा के दौरान शहर में लगे ह्वआई लव मोहम्मदह्व पोस्टर और बैनर को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने आपत्ति जताई थी। विहिप के सिंहभूम विभाग मंत्री अरुण सिंह ने कहा था कि ऐसे पोस्टर शहर के माहौल को बिगाड़ सकते हैं, इसलिए प्रशासन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

इस बीच 25 सितंबर को दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम समुदाय के सरवर अंसारी और कुछ अज्ञात लोगों ने विहिप कार्यकर्ता को धमकी दी कि वे अरुण सिंह को जान से मार देंगे। इस संबंध में बिष्टुपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई।

अरुण सिंह ने मीडिया को बताया कि उस समय शहर में पूजा का वातावरण था, इसलिए किसी तरह का तनाव न फैले, इस कारण विहिप ने मामले पर चुप्पी साधी रही। लेकिन अब संगठन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है।

इसी क्रम में मंगलवार को विहिप जमशेदपुर महानगर, शहर के कई भाजपा नेता, हिंदू संगठन और सामाजिक संगठन उपायुक्त कार्यालय पहुंचे।

उन्होंने विहिप अधिकारियों की सुरक्षा और दोषियों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की मांग की।

मौके पर विहिप सिंहभूम विभाग मंत्री अरुण सिंह, जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता, मंत्री चंद्रिका भगत, बजरंग दल संयोजक चंदन दास, भाजपा सांसद विद्युत वरण महतो, जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा, विनोद सिंह, धर्मेंद्र प्रसाद, झारखंड क्षत्रिय संघ के अध्यक्ष शंभू सिंह, सनातन उत्सव समिति से चिंटू सिंह, हिंदू जागरण मंच से बलबीर मंडल, भूतपूर्व सैनिक परिषद, हिंदू पीठ के महासचिव दिलजय बोस समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जीतेंद्र प्रमाणिक, दीपक वर्मा, राजेश ठाकुर, विवेक शर्मा, अनिरुद्ध गिरि, दिलीप श्रीवास्तव, सविता सिंह, अर्चना सिंह, प्रवीण सिंह, विश्वनाथ सिंह, सुमंत्र विश्वास, विशाल कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

सार-संक्षेप

यम्मी स्नैक्स कॉर्नर का भाजपा नेता सह सवर्ण महासंघ फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी डी त्रिपाठी एवम रवि शंकर तिवारी ने किया उद्घाटन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर, यम्मी स्नैक्स के स्थानीय स्टोर अर्पिता इंटरप्राइजेज का सुंदर नगर में भाजपा नेता सह सवर्ण महासंघ फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनुर्धर त्रिपाठी एवम भाजपा नेता रवि शंकर तिवारी ने नारियल तोड़कर उद्घाटन किया।तथा प्रोपराइटर अशोक तिवारी...को शुभकामनाएं दी।जमशेदपुर में स्टॉकिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में यह पहली संस्थान हैं जिसका आज उद्घाटन हुआ जहां से छोटे दुकानदारों को यम्मी के विभिन्न प्रोडक्ट्स सस्ते मूल्य पर प्राप्त होंगे । जिससे छोटे दुकानदारों को सीधे सीधे लाभ मिलेगा।संस्थान अपने प्रोडक्ट को सीधे सीधे मांग के अनुरूप छोटे विक्रेताओं तक पहुंचाने की भी सुविधा प्रदान करेगी

सुंदर नगर में इस उत्पाद के स्थानीय प्रोप्राइटर अशोक तिवारी ने बताया हमारा प्रयास शहर शुद्ध उत्पाद लोगों तक पहुंचाना और नकली हानिकारक उत्पादों को खास कर बच्चों को दूर रखने का प्रयास होगा।

टाटा ब्लू स्कोप स्टील के ठेका मजदूरों को राष्ट्रीय अवकाश पर कम भुगतान का मामला, श्रम अधीक्षक ने मांगा स्पष्टीकरण

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा ब्लू स्कोप स्टील लिमिटेड के ठेका प्रतिष्ठान मेसर्स सिगनोड इंडिया लिमिटेड में काम करने वाले ठेका मजदूरों को राष्ट्रीय अवकाश (1 मई, 15 अगस्त, 2 अक्टूबर) के दिन काम कराने पर ओवरटाइम का सिंगल दर से भुगतान किए जाने का मामला सामने आया है।

इस संबंध में आज (7 अक्टूबर 2025) श्रम अधीक्षक कार्यालय, जमशेदपुर में त्रिपक्षीय वार्ता हुई। श्रम अधीक्षक ने प्रबंधन प्रतिनिधि स्वप्न मुखर्जी (राजा) को निर्देश दिया कि वे इस भुगतान कटौती के कारणों पर अपनी स्पष्टीकरण रिपोर्ट दें। प्रबंधन को 30 अक्टूबर 2025 को अगली बैठक में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया।

वार्ता में जमशेदपुर मजदूर यूनियन की ओर से धनंजय शुक्ला और महासचिव अम्बुज कुमार ठाकुर, जबकि प्रबंधन की ओर से स्वप्न मुखर्जी उपस्थित थे। श्रम अधीक्षक ने कहा कि मजदूरों के साथ न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

भानु मांझी गिरोह का सदस्य मनीष सिंह हथियार सहित गिरफ्तार, बड़ी वारदात की थी साजिश

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। कदमा थाना क्षेत्र की पुलिस ने सोमवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए भानु मांझी गिरोह के सक्रिय सदस्य मनीष सिंह (20) को हथियार सहित गिरफ्तार किया है। मंगलवार को एसएसपी पियूष पांडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस कार्रवाई की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कदमा थाना अंतर्गत उलियान टीओपी मैदान में भानु मांझी गिरोह का एक सदस्य पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ किसी बड़ी आपराधिक घटना की साजिश रच रहा है। इस पर एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उलियान टीओपी मैदान से आरोपी मनीष सिंह को एक देशी लोडेड सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया।

एसएसपी ने बताया कि मनीष सिंह भानु मांझी गिरोह का सक्रिय सदस्य है और गिरोह सरगना भानु मांझी के साथ मिलकर रंगदारी वसूली और डराने-धमकाने का काम करता है। भानु मांझी पर जमशेदपुर के कई थानों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत के 50 घरों में जलापूर्ति बहाली की दिशा में पहल

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत के कुंवर सिंह मैदान रोड नंबर-3 स्थित लगभग 50 घरों में कई वर्षों से बंद सप्लाई जलापूर्ति बहाल करने की दिशा में पहल शुरू हो गई है।

विधायक संजीव सरदार के निर्देश पर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता सुमित कुमार ने 24 सितंबर को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी को पत्र लिखकर डीएमएफटी मद से ?4,21,017 की राशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया है।

पंचायत प्रतिनिधियों ने विधायक सरदार से मुलाकात कर शीघ्र निधि आवंटन की मांग की, जिस पर विधायक ने उपचुनाव के बाद कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया।गौरतलब है कि ग्रामीणों ने 21 अप्रैल को 50 हस्ताक्षरयुक्त आवेदन देकर इस समस्या की जानकारी दी थी। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता की निरंतर पहल से अब जलापूर्ति बहाली की प्रक्रिया आगे बढ़ी है।

मौके पर सुनील गुप्ता, उप मुखिया संतोष ठाकुर, वार्ड सदस्य कुमुद रंजन सिंह, अरविंद पांडे, राजकुमार सिंह समेत कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

अमरप्रीत सिंह काले ने की राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष श्री शाहिद अख्तर से मुलाकात

राष्ट्र संवाद संवाददाता

नई दिल्ली :भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने आज नई दिल्ली स्थित जीवन तारा बिल्डिंग में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग (ठउटएक) के कार्यकारी अध्यक्ष श्री शाहिद अख्तर से शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर उन्हें शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी द्वारा जेल में रहते हुए लिखे गए पत्रों और संस्मरणों के संकलन पर आधारित पुस्तक भी भेंट की।

इस दौरान काले ने झारखंड में अल्पसंख्यक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की और कहा कि राज्य के अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को और सशक्त एवं प्रभावी बनाने के लिए नीति-स्तर पर समझ और संवेदनशीलता बढ़ाने की आवश्यकता है।

काले ने आयोग के समक्ष कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे।

श्री शाहिद अख्तर ने उनके सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि इन बिंदुओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और झारखंड में अल्पसंख्यक शिक्षा के उत्थान के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि शाहिद अख्तर जी का सकारात्मक दृष्टिकोण और संवेदनशीलता निश्चित रूप से झारखंड में अल्पसंख्यक शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगी.

जब चीफ जस्टिस सुरक्षित नहीं, तो आम आदमी का हाल क्या होगा : सुधीर कुमार पप्पू

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। समाजवादी चिंतक एवं वरीय अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू ने सुप्रीम कोर्ट के कक्ष संख्या एक में चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति बी. आर. गवई पर जूता फेंकने की घटना की निंदा करते हुए कहा कि जब इस देश में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस तक सुरक्षित नहीं हैं, तो आम आदमी की स्थिति की सहज कल्पना की जा सकती है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि जलपाईगुड़ी के भाजपा सांसद पर हुए हमले पर प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर त्वरित टिप्पणी की थी, परंतु चीफ जस्टिस के मामले में ऐसी कोई प्रतिक्रिया दिखाई नहीं दी।

समाजवादी चिंतक अधिवक्ता के अनुसार, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा ने हमलावर अधिवक्ता राकेश किशोर को निलंबित करने का साहसिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि उस अधिवक्ता का लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाना चाहिए।

इसके साथ ही सुधीर कुमार पप्पू ने सवाल उठाया कि यदि यह घटना किसी द्विज (उच्चवर्णीय) चीफ जस्टिस के साथ हुई होती, तो क्या कोई वकील ऐसी हिमाकत कर सकता था?

सुधीर कुमार पप्पू ने कहा कि भले ही चीफ जस्टिस ने आरोपी को माफ कर दिया है, परंतु दिल्ली पुलिस एवं गृह मंत्री को इस मामले में संज्ञान लेकर आरोपी अधिवक्ता के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से आग्रह किया कि उन ट्विटर (एक्स) एवं अन्य सोशल मीडिया अकाउंट धारकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए, जो हमलावर अधिवक्ता राकेश किशोर की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर रहे हैं। ये वही अकाउंट धारक हैं, जो पिछले कई वर्षों से समाज को धर्म, जाति और भाषा के आधार पर विभाजित करने का घृणित कार्य कर रहे हैं।

सुधीर कुमार पप्पू ने कहा कि यदि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री वास्तव में इस घटना से दुखी हैं, तो उन्हें इन सोशल मीडिया अकाउंट धारकों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए – अन्यथा यह सीधा संकेत जाएगा कि किसी के इशारे पर उक्त वकील ने ऐसी हिमाकत की है। यदि ऐसा हुआ, तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में भी देखने को मिल सकती है।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन में सेवा निवृत्त कर्मियों का सम्मान सह विदाई समारोह आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन परिसर में सेवानिवृत्त कर्मियों के सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महामंत्री आर.के. सिंह ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया और उन्हें स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का संचालन अशोक उपाध्याय ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन अनिल शर्मा ने दिया।

इस दौरान यूनियन पदाधिकारी, कमेटी मेंबर और आर.के. सिंह फैंस क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

सम्मानित सेवानिवृत्त कर्मियों में शामिल थे –

अंजन चक्रवर्ती, अखिलेश कुमार झा, मलय अधिकारी, एस.एस. हुसैन (टीएमएल ड्राइव लाइन); बिपीन बिहारी लाल (कैब एंड कॉल फैक्ट्री); गुरदीप सिंह (प्रोग्राम मैनेजमेंट); मोहम्मद खलीलुल्लाह बैग (फाउंड्री)।

86 नहीं अब 144 बस्तियों को मालिकाना हक देने की कवायद फिर शुरू : आशुतोष राय

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। वरीय जदयू नेता आशुतोष राय ने कहा है कि शहर की 86 बस्तियों को मालिकाना हक देने की प्रक्रिया एक बार फिर शुरू होने जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2006-07 में तत्कालीन विधायक सरयू राय इस मुद्दे पर विधानसभा में विधेयक लेकर आए थे, लेकिन उस समय किसी ने उनका साथ नहीं दिया।

अब वही मुद्दा दोबारा उठाया जा रहा है, हालांकि आज बस्तियों की संख्या 86 से बढ़कर 144 से

अधिक हो चुकी है। राय ने कहा कि जब तक यह प्रस्ताव विधानसभा से पारित नहीं होता, तब तक मालिकाना हक का मामला केवल जुमलेबाजी ही साबित होगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के समय भी यह विधेयक पारित नहीं हुआ, बल्कि उसमें एक ऐसा क्लॉज जोड़ दिया गया, जिसे शिथिल किए बिना मालिकाना हक देना संभव नहीं है। राज्य सरकार ने भी विधानसभा में इस बात को स्वीकार किया है।

राय ने कहा कि यदि वास्तव में जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर गंभीर हैं, तो सभी को एक साथ बैठकर विचार-विमर्श करना होगा ताकि बस्तियों के निवासियों को वास्तविक मालिकाना हक दिलाने का समाधान निकले।

जमशेदपुर पुलिस ने फायरिंग कांड के आरोपी दीपक चौधरी को हथियार सहित किया गिरफ्तार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पुलिस ने 5 अक्टूबर को मानगो डिमना रोड स्थित संजय पथ निवासी उमेश कुमार पांडेय उर्फ गुड्डू पांडेय के घर पर हुई फायरिंग मामले का खुलासा करते हुए त्वरित कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी पीयूष पांडे ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस ने नामजद आरोपी दीपक कुमार चौधरी उर्फ टेका चौधरी को गिरफ्तार कर उसके पास से 7.65

एमएम का देशी पिस्तौल बरामद किया है, जो घटना में प्रयुक्त हुआ था।पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर एमजीएम थाना कांड संख्या 96/2023, मानगो थाना कांड संख्या 403/2021 और जरमुण्डी थाना (दुमका) कांड संख्या 54/2023 सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इन मामलों में हत्या, रंगदारी और आर्म्स एक्ट की धाराएं शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है और फिलहाल आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

गोलमुरी जॉगर्स पार्क में नवयुवक चेतना मंच की भव्य काली पूजा का भूमि पूजन संपन्न

राष्ट्र संवाद संवाददाता

3 लाख की लागत से बनेगा आकर्षक पंडाल

गोलमुरी जॉगर्स पार्क में नवयुवक चेतना मंच द्वारा आयोजित भव्य काली पूजा पंडाल का मंगलवार को विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। पूजा स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना की गई। भूमि पूजन के पश्चात पंडाल निर्माण कार्य आज से कुशल कामगारों द्वारा प्रारंभ होगा। इस वर्ष का पंडाल लगभग 3 लाख रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है, जो आकर्षण का केंद्र रहेगा।

कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक (सेवानिवृत्त डीएसपी) कमल किशोर, उमेश प्रसाद, मंटू तिवारी, जे.पी. सिंह, पप्पू उपाध्याय, नागेश राव, शंकर नाथ तिवारी, मृत्यंजय सिंह, शीनू राव, राजेश कुमार, बलकार सिंह, सागर तिवारी, भगवान सिंह, कृष्ण सिंह, सुधीर सिंह, सुरेंद्र चौधरी, अशोक राय, सूरज ओझा, रूपम कुमार, ऋषभ सिंह, नागेंद्र सिंह पिंटू, पार्थ झा, अप्पू तिवारी, अंकित आनंद सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

मुख्य संरक्षक कमल किशोर ने कहा कि नवयुवक चेतना मंच की काली पूजा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकता और मातृशक्ति के सम्मान का संदेश भी देती है। हर वर्ष की तरह इस बार भी मंच बेहतर व्यवस्था और श्रद्धा के साथ पूजा का आयोजन करेगा।

आयोजन समिति के संयोजक अप्पू तिवारी ने बताया कि पंडाल का भव्य उद्घाटन 19 अक्टूबर को मातृशक्ति के कर-कमलों से किया जाएगा।

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के आवासीय कार्यालय में परविंदर सिंह का जोरदार स्वागत

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़े और आतिशबाजी से किया अभिनंदन

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष परविंदर सिंह का जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकताओं ने पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के कदमा स्थित आवासीय कार्यालय में भव्य स्वागत किया। स्वागत के दौरान ढोल-नगाड़े और आतिशबाजी की गई।

मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने जिलाध्यक्ष परविंदर सिंह को फूलों का गुलदस्ता और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। परविंदर सिंह ने उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। बन्ना गुप्ता ने कहा कि छात्र जीवन से ही कांग्रेस पार्टी के प्रति समर्पित व्यक्ति को जिलाध्यक्ष बनाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व का आभार है और उन्होंने आशा व्यक्त की कि परविंदर सिंह अपने नए दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वाहन करेंगे।

कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष, थाना अध्यक्ष और महिला कार्यकताओं ने बारी-बारी से माला पहना कर जिलाध्यक्ष का सम्मान किया। परविंदर सिंह ने सभी कार्यकताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि इसी तरह उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन पार्टी के साथ बना रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

संपादक की कलम से

यह नीतीश के युग का आखिरी मोड़ या एक और वापसी?

देवानंद सिंह

बिहार की राजनीति एक बार फिर अपने सबसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। राज्य में इस बार विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे। यानी 6 और 11 नवंबर को मतदान और 14 नवंबर को मतगणना होगी। चुनाव आयोग ने सभी दलों की यह मांग मान ली कि प्रक्रिया लंबी न खिंचे, ताकि प्रशासनिक बोझ और राजनीतिक तनाव को सीमित रखा जा सके। लेकिन जो तस्वीर बन रही है, वह साफ बताती है कि यह छोटा चुनाव जरूर है, मगर इसका असर बेहद लंबा होने वाला है।

राज्य में इस बार की लड़ाई महज सत्ता की अदला-बदली से कहीं ज्यादा है। यह उस राजनीतिक दौर के अंत या पुनर्जन्म का फैसला भी है, जिसका नाम है नीतीश कुमार। बीते दो दशकों से बिहार की राजनीति का हर उतार-चढ़ाव, हर गठबंधन, हर नारा और हर उम्मीद किसी न किसी रूप में नीतीश से होकर गुजरा है। वे इस राज्य के प्रशासनिक चेहरों में अकेले ऐसे नेता हैं, जिन्होंने ह्यसुशासनह्ल और ह्यजंगलराजह्ल जैसे दो विपरीत राजनीतिक विमर्शों को अपने कार्यकाल के दौरान गढ़ा और निभाया भी। लेकिन इस बार मामला उलट है, अब सवाल नीतीश से पूछा जा रहा है, जवाब नहीं।

चुनाव का माहौल अभी पूरी तरह बना भी नहीं था कि एसआरआई को लेकर विवाद उठ खड़ा हुआ। इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण किया गया, लेकिन जिस जल्दबाजी और अधूरी तैयारी के साथ इसे लागू किया गया, उसने विपक्ष को बड़ा मुद्दा थमा दिया। आरोप लगे कि कई मतदाताओं के नाम गायब हैं, कुछ नए नाम गलत क्षेत्रों में जोड़े गए, और शिकायतों का निस्तारण भी संतोषजनक नहीं हुआ। चुनाव आयोग को बार-बार सफाई देनी पड़ी, पर अविश्वास की रेखा खिंच चुकी थी। आरजेडी, कांग्रेस और सीपीआई (एमएल) जैसे दलों ने इसे चुनावी हेरफेर का प्रॉक्सी बताया, जबकि एनडीए ने इसे तकनीकी प्रक्रिया कहकर टाल दिया। अब आयोग के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि मतदान से पहले मतदाता सूची से जुड़ी गड़बड़ियों को किस हद तक सुधारा जा सके। बिहार के इतिहास में चुनावों पर शक की छाया नई नहीं है, लेकिन इस बार जब जनता पहले से ही महंगाई, बेरोजगारी और पलायन जैसी वास्तविक समस्याओं से जूझ रही है, तो संस्थागत विश्वसनीयता पर उठे सवाल और भी भारी पड़ सकते हैं।

2005 से लेकर अब तक, मई 2014 से फरवरी 2015 के बीच की संक्षिप्त अवधि को छोड़ दें तो बिहार का नाम नीतीश कुमार से जुड़ा रहा है। उन्होंने अब तक 9 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है और इस दौरान बीजेपी, आरजेडी, कांग्रेस, जेडीयू सभी से कभी न कभी हाथ मिलाया या छोड़ा है। राजनीतिक समीकरण बदलते रहे, पर एक स्थायी सत्य यह रहा कि बिहार की कुर्सी पर अंततः नीतीश ही बैठे।

इस बार भी एनडीए ने उन्हें ही आगे किया है, लेकिन 2025 का चुनाव नीतीश के लिए मात्र एक और राजनीतिक परीक्षा नहीं है, बल्कि उनकी विश्वसनीयता की सबसे बड़ी कसौटी है। जनता के बीच सुशासन बाबू की जो छवि कभी विकास, सड़क, बिजली और शिक्षा के सुधार से बनी थी, वह अब भ्रष्टाचार, असंतोष और थकान की परतों में दबती दिख रही है।

राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि बिहार में सत्ता-विरोधी लहर तो है, लेकिन कोई स्पष्ट विकल्प नहीं। यही स्थिति नीतीश के पक्ष में भी काम कर सकती है, लेकिन इस बार समीकरण में एक नया नाम जुड़ा है। प्रशांत किशोर और उनकी ह्यजन सुराजह्ल, हालांकि जन सुराज का वोट शेयर कितना प्रभावी होगा, यह कहना जल्दबाजी होगी, पर उन्होंने जनता के बीच भ्रष्टाचार, पलायन और स्थानीय शासन के मुद्दों को जिस तरह उठाया है, उसने चुनावी विमर्श को सीमित द्वंद्व से बाहर निकाल दिया है।

एक समय था, जब नीतीश कुमार और बीजेपी लालू-राबड़ी शासन को जंगलराज कहकर हर चुनाव जीत जाते थे, लेकिन इस बार वही आरोप उनके शासन पर लौट आए हैं। पिछले कुछ महीनों में हुई आपराधिक घटनाओं ने सरकार की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या, और अस्पताल के भीतर गैंगस्टर की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, ये दोनों घटनाएं जनता के मन में गहरे उतर गई हैं। विपक्ष ने इन्हें सुशासन की मौत करार दिया है। आरजेडी का अभियान इस बार नीतीशराज = नया जंगलराज के नारे पर टिका हुआ है। यह पहली बार है जब नीतीश की छवि को भ्रष्टाचार और प्रशासनिक उदासीनता के आरोपों से जूझना पड़ रहा है। जिन अफसरशाही पर वे हमेशा भरोसा करते रहे, वही अब थकी और निष्क्रिय बताई जा रही है। युवा मतदाता, जो कभी उन्हें उम्मीद का प्रतीक मानता था, अब विकल्प ढूंढ रहा है।

चुनाव से ठीक पहले नीतीश सरकार ने कई ऐसी घोषणाएं की हैं जो पहली नजर में कल्याणकारी दिखती हैं, लेकिन विपक्ष के मुताबिक वित्तीय दृष्टि से असंभव हैं। महिलाओं के लिए विशेष सहायता योजना, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए भत्ते में भारी बढ़ोतरी, और शिक्षकों की नई भर्ती नीति,वोइन सबको मिलाकर यह बिहार के इतिहास की सबसे महंगी चुनावी घोषणा सूची कही जा सकती है।

राज्य की वित्तीय स्थिति पहले से ही कमजोर है। केंद्र से मिलने वाले राजस्व हिस्से पर निर्भरता बढ़ चुकी है, और कर्ज.सीमा के भीतर सरकार को खर्च का संतुलन बनाए रखना कठिन हो गया है। अगर, इन योजनाओं को सच में लागू किया जाता है, तो राज्य को अगले दो वर्षों में राजस्व घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकता है, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो नीतीश जानते हैं कि भावनात्मक कल्याण घोषणाएं बिहार में अक्सर व्यावहारिक आर्थिक तर्कों से ज्यादा असर डालती हैं। महिलाओं को सशक्तिकरण के प्रतीक के रूप में पेश करना और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देना, उनके पुराने वोट बैंक को फिर से जोड़ने का प्रयास है।

महागठबंधन में इस बार आरजेडी, कांग्रेस, सीपीआई (एमएल), सीपीआई और कुछ छोटे वामपंथी गुट शामिल हैं। तेजस्वी यादव गठबंधन का चेहरा हैं, लेकिन उनकी चुनौती यह है कि वे नीतीश के अनुभव के मुकाबले उत्साह को ही हथियार बना सकते हैं। आरजेडी ने बेरोजगारी, पलायन और निजीकरण को मुख्य मुद्दा बनाया है। तेजस्वी बार-बार कहते हैं कि बिहार की 40% आबादी आज भी रोजगार के लिए बाहर हैह्ल। वे युवाओं के बीच नई शुरूआत की बात करते हैं, लेकिन गठबंधन के भीतर कांग्रेस की निष्क्रियता और वाम दलों की सीमित पकड़, उनकी गति को रोकती दिखती है। महागठबंधन की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसका विरोधी चेहरा एक है नीतीश, लेकिन उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी यही है कि उसके पास नीतीश के विकल्प के रूप में कोई ठोस प्रशासनिक मॉडल नहीं।

प्रशांत किशोर का जन सुराज इस बार का अज्ञात चरित्र है। वे न तो पारंपरिक राजनेता हैं, न ही पुराने विपक्ष की तरह भावनात्मक भाषणों पर निर्भर। उनका फोकस पंचायत स्तर की संरचनाओं, ग्रामसभा की सशक्तता, और भ्रष्टाचार के खिलाफ स्थानीय लामबंदी पर है। पीके का संगठन पिछले दो साल से जमीन पर सक्रिय है – गांव-गांव सभाएं, मुद्दों पर फीडबैक, और डिजिटल नेटवर्किंग के जरिये उन्होंने युवा और प्रवासी समुदाय तक पहुंच बनाई है। हालांकि अभी यह कहना मुश्किल है कि वे कितनी सीटों पर असर डालेंगे, लेकिन वे उस वर्ग में गहरी पैठ बना रहे हैं जो एनडीए और आरजेडी दोनों से निराश है, अगर वे 5-7% भी वोट शेयर खींच ले गए, तो कई सीटों पर परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं।

जीवन के ताने-बाने में रचा-बसा है कपास

प्रमोद दीक्षित मलय

कपास जीवन की नवलता एवं दृष्टि की धवलता का प्रतीक है। कपास शुचिता, संस्कार एवं स्नेह सातत्य का अविरल स्रोत है। कपास समृद्धि-वृद्धि का द्वार है, सहकार का सेतु है। रेशे-रेशे से अवगुंफित कपास सामूहिकता का भाव बोध है, शक्ति का समुच्चय है। चुनौतियों, बाधाओं और विपरीत परिस्थितियों पर विजय का शंखनाद है कपास। कपास पारिवारिक जीवन में मधुरता एवं आत्मीयता का प्रीति रस बनाये रखने का संकेतक है, अपने नेह-बीजों का चतुर्दिक कोमल तंतुओं से ढकने वाला संरक्षक है। कपास के रेशे जीवन में लोक से रस एवं ऊर्जा ग्रहण कर स्वयं को आलोकित बनाये रखने के सन्देश वाहक हैं, यह आलोक परिवेश को ज्योतित कर लोक को पथ की पहचान कराता है। कपास देश-समाज की आर्थिकी का आधार है और भय एवं भूख से जूझने-लड़ने की ताकत भी। कपास जिजीविषा का प्रतिबिम्ब है, आगे बढ़ने की प्रेरणा है, सबल अवलम्ब है। कपास लज्जा से मुक्ति का वस्त्रावरण है, मानव एवं पशु का भोजन है, सौंदर्य का सखा है, स्वास्थ्य का प्रहरी है। निर्विवाद रूप से, कपास विविध रूपों में हमारे दैनंदिन जीवन में समाया हुआ है।? कह सकते हैं कि जीवन के ताने-बाने में रचा-बसा है कपास। कपास श्वेतात्मा है, श्वेताभ लोकसाधक है।

वर्ष 1981 में मैंने कक्षा पांचवीं उत्तीर्ण कर अतर्रा कस्बे के ब्रह्म विज्ञान इंटर कालेज में प्रवेश लिया था। वहां आठवीं तक, तीन साल रहा। वहां एक बिलकुल नये किंतु रोचक विषय से परिचय हुआ, वह था कताई-बुनाई। पहले दिन ही शिक्षक ने कताई-बुनाई के महत्व, लाभ और उपयोगिता पर कुछ बातें साझा कर प्रत्येक बच्चे को तकली और पूनी (छह इंच लम्बी रुई की हवादार खोखली बाती) खरीदने को बोला था। अगले दिन हम सभी बच्चे तकली-पूनी लेकर गये और उस पीरियड में जीवन में पहली बार रुई से सूत बनाने का प्रयास किया। बायें हाथ से ताली घुमाना होता था और दायें हाथ से पूनी को पकड़ उसका एक सिर तकली के तार की नोक पर फंसाकर सूत बनाना होता था। हम तकली घुमा दाहिना हाथ ऊपर की ओर आहिस्ते-आहिस्ते खींचते तो एक धागा सा बन जाता जिसे तकली की चकती के ऊपर लपेट लिया जाता। बहुत मजेदार गतिविधि थी, कभी तकली घुमाते तो पूनी वाला हाथ ऊपर करना भूल जाते, हाथ पर ध्यान देते तो तकली लुढ़क जाती। दोनों कुछ सधते तो सूत टूट जाता या कहीं मोटा और कहीं पर बिलकुल पतला सूत निकलता। लेकिन अभ्यास से 10-15 दिन में तकली से सूत कातना लगभग सभी बच्चों ने सीख लिया था। वह कपास से सूत बनाने का पहला परिचय था। हालांकि कपास से परिचय तो स्कूल जाने के पहले ही हो गया था पर उसका दायरा बहुत सीमित था। तब हमारे गांव में लगभग हर घर में कपास के दो-चार पौधे उगाये जाते थे। दीपावली आते-आते कपास के पौधों में लगे फलों से रुई बाहर झांकने लगती थी, मानो कोई शिशु प्रकृति का सौंदर्य देखने को अपनी आंखें खोल रहा हो। फल फट जाते थे, और डालों पर लटके उनकी उजली रुई के गोलों पर चिड़ियां चोंच मारतीं जैसे मीठे मक्खन का स्वाद ले रही हों और कोई भगाता तो थोड़ी सी रुई चोंच में दबा फुर्र हो जातीं जैसे कोई बच्चा आईसक्रीम के गोले से एक टुकड़ा लेकर भाग गया हो। उन दिनों हम बच्चे कपास के फलों को तोड़कर रुई निकालते थे। रुई से लिपटे बड़े और कठोर बीज अलग रखते जाते। निकली रुई से दीपावली के दीपों हेतु अम्मा और दादी मिलकर बातियां बनातीं। तब गांवों में बाजार से रुई नहीं खरीदी जाती थी। तुलसीचौरा में संझवाती घर के कपास की रुई-बाती और गाय के घी से होती थी। तो इस तरह कपास लोकजीवन का अभिन्न अंग बना हुआ था। कपास खरीफ की एक नकदी फसल है, यह तो बहुत बाद में जान-समझ पाया।

कपास की जन्मभूमि भारत है, अब पाकिस्तान को भी इसमें जोड़ सकते हैं। सिंधु घाटी सभ्यता में सूती कपड़ों का उपयोग किया जाता था। खुदाई में सूती कपड़ों के टुकड़े मिले हैं, जो कपास की प्राचीनता प्रमाणित करते हैं। बलूचिस्तान में कपास के पांच हजार पुराने बीज प्राप्त हुए हैं। यह सिद्ध करता है कि तत्कालीन समाज में कपास की खेती, सूत बनाकर कपड़े बुनने की कला और तकनीक विकसित थी। आज 80 से अधिक देशों में कपास की खेती होती है। कपास का वैज्ञानिक नाम गॉसपियम है। दुनिया के 3 प्रतिशत भूमि पर कपास की खेती होती है जो 27 प्रतिशत जनसंख्या के लिए वस्त्र, तेल एवं अन्य जरूरतें पूरी करती है। चीन सर्वाधिक कपास उत्पादन करता है। भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील, पाकिस्तान मुख्य कपास उत्पादक देश है। भारत में कपास के कुल उत्पादन का 65 प्रतिशत हिस्सा केवल महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना का है। भारत कपास एवं सूत आधारित वस्तुओं का विश्व का दूसरा बड़ा निर्यातक है। भारत में पहली सफल कपास मिल मुम्बई में वर्ष 1854 में स्थापित की गयी थी। कपास से निर्मित सूती वस्त्र आरामदायक, हवादार, शीतल और टिकाऊ होते हैं।? पहनने में सुख की अनुभूति कराते हैं। ग्रीष्म ऋतु में तो सूती वस्त्र एवं अंगौछा बहुत उपयोगी हैं, लू एवं तेज धूप से रक्षा करते हैं। कपास उत्पादन एवं प्रसंस्करण से आज पांच महाद्वीपों में 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है, 10 करोड़ परिवार लाभान्वित हैं। एक टन कपास उत्पादन में 5 व्यक्तियों को पूरे वर्ष का रोजगार मिलता है।

कपास उत्पाद जैव अपघटनीय होने से पर्यावरण अनुकूल हैं। प्रकृति और पशु-पक्षियों के संरक्षण में भी कपास की अपनी भूमिका है। कपास से रुई के अलावा बीजों से तेल एवं खली प्राप्त होती है जिसका उपयोग भोजन बनाने, पशुओं को खिलाने और सौंदर्य उत्पादों में किया जाता है। कपास के अंतरराष्ट्रीय व्यापार, सतत विकास एवं आर्थिकी में योगदान, नये रोजगार सृजन तथा उसके महत्व एवं बहुआयामी लाभों से आमजन को परिचित कराने तथा जागरूकता के प्रसार हेतु कॉटन-4 अफ्रीकी देशों बेनिन, बुर्किना फासो, चाड़ और माली ने विश्व व्यापार संगठन के समक्ष वर्ष 2019 में 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस मनाने का प्रस्ताव कर पहला आयोजन किया। कपास उत्पादन की बहुआयामी उपयोगिता को समझ संयुक्त राष्ट्रसंघ ने वर्ष 2021 में 7 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कपास दिवस के रूप में मनाने हेतु घोषणा किया था। तब से प्रत्येक वर्ष एक विशेष थीम पर वैश्विक आयोजन कर कपास केंद्रित कार्यक्रम किये जाते हैं। कपास हमारे जीवन में सुख, शांति, शीतलता, स्थिरता एवं समृद्धि प्रदान करे, ऐसी शुभेच्छा है।

लेखक शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।

बढ़ती छात्र आत्महत्याएँ: कानून हैं, लेकिन संवेदना कहाँ है?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में बढ़ती छात्र आत्महत्याएँ एक गहरी सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य संकट का संकेत हैं। मानसिक स्वास्थ्य कानून (2017) और आत्महत्या रोकथाम नीति (2021) ने कानूनी ढाँचा तो दिया, पर उसका असर सीमित रहा। जागरूकता की कमी, काउंसलिंग ढाँचे का अभाव और अभिभावकों की अपेक्षाएँ छात्रों को अवसाद की ओर धकेल रही हैं। अब जरूरत है भावनात्मक शिक्षा, प्रशिक्षित काउंसलर, डिजिटल सहायता और पारिवारिक संवेदना की। जब तक समाज यह नहीं समझेगा कि हर बच्चे की सफलता अलग है, तब तक कानून भी किसी की जान नहीं बचा पाएँगे।

भारत जैसे युवा देश के लिए यह एक शर्मनाक सच्चाई है कि यहाँ हर साल हजारों विद्यार्थी पढ़ाई, प्रतिस्पर्धा और सामाजिक दबाव के बोझ तले अपनी जान दे देते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार 2023 में 13,000 से अधिक छात्र आत्महत्याएँ दर्ज की गईं – यानी हर 40 मिनट में एक विद्यार्थी अपनी ज़िंदगी खत्म कर रहा है। यह सिर्फ. एक आंकड़ा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की नाकामी का सबूत है जो बच्चों को बचाने के बजाय उन्हें अंधे मोड़ पर छोड़ देती है।

सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई कानून और नीतियाँ बनाई हैं – जैसे मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 और राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम नीति 2021। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये कागजों पर लिखे कानून जमीन पर किसी बच्चे को सच में बचा पा रहे हैं?

मेंटल हेल्थकेयर एक्ट 2017 का मकसद था कि आत्महत्या का प्रयास अब अपराध नहीं माना जाएगा, बल्कि इसे मानसिक संकट के रूप में देखा जाएगा। यानी अगर कोई बच्चा आत्महत्या की कोशिश करता है, तो उसे सजा नहीं, बल्कि सहारा दिया जाएगा। यह बहुत बड़ी पहल थी, क्योंकि इससे पहले ऐसे मामलों में पुलिस कार्रवाई होती थी, जिससे पीड़ित और परिवार दोनों और टूट जाते थे। कानून ने यह भी कहा कि हर नागरिक को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार होगा। यानी स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर काउंसलिंग और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

पर आज भी सच्चाई यह है कि देश के अधिकांश स्कूलों और कॉलेजों में कोई प्रशिक्षित काउंसलर तक नहीं हैं। 2023 में एम्स द्वारा किए गए सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत कॉलेजों में कोई मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ मौजूद नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी खराब है। यानी कानून बना, लेकिन उसके लिए जो आधारभूत ढांचा चाहिए था, वो कभी तैयार नहीं हुआ।

2021 में सरकार ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम नीति जारी की। इस नीति में कहा गया कि आत्महत्या एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है और इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण विभागों को मिलकर काम करना चाहिए। इसमें ह्लहाई-रिस्क ग्रुपह्ल जैसे छात्रों, किसानों और प्रवासी मजदूरों की पहचान कर, उनके लिए रोकथाम तंत्र बनाने की बात कही गई थी।

कुछ राज्यों ने इसे गंभीरता से लिया भी। जैसे केरल और महाराष्ट्र में स्कूल शिक्षकों को यह सिखाया गया कि वे छात्रों में अवसाद या निराशा के संकेत पहचान सकें। कुछ जगहों पर ह्लस्कूल काउंसलिंग सेलह्ल भी बने। लेकिन पूरे देश की तस्वीर देखें तो 40 प्रतिशत ज़िलों में अब भी कोई ह्लसुसाइड प्रिवेंशन सेलह्ल नहीं बना है। इस नीति के लिए अलग से कोई बजट तय नहीं किया गया। परिणाम यह हुआ कि यह नीति भी सरकारी फाइलों में एक और दस्तावेज बनकर रह गई।

कानूनों और नीतियों की सीमाओं से आगे जाकर हमें यह समझना होगा कि आत्महत्या का कारण सिर्फ मानसिक बीमारी नहीं, बल्कि समाज का बढ़ता असंवेदनशील माहौल भी है। कोचिंग सेंटर्स की दीवारों पर "IIT or Nothing" जैसे नारे लिखे होते हैं। हर बच्चा रैंक और रिजल्ट की दौड़ में फँस गया है। उसे बचपन की जगह एक ह्यप्रोजेक्टह्ल बना दिया गया है।

बहुत से माता-पिता अपने सपने बच्चों पर थोप देते हैं। असफलता को अपमान समझा जाता है। घर में बातचीत के बजाय सवाल-जवाब होता है – ह्लकितने नंबर आए?ह्ल ह्लअगले साल क्या करोगे?ह्ल यह भावनात्मक दूरी बच्चों को भीतर से तोड़ देती है।

अब असफलता छिपाना भी मुश्किल हो गया है। इंस्टाग्राम और रीलों की दुनिया में हर कोई ह्लसफलह्ल दिखना चाहता है। जो नहीं दिखा पाता, वह खुद को असफल मान लेता है। किसी स्कूल में खेल का मैदान नहीं तो लोग शिकायत करते हैं, लेकिन काउंसलर नहीं है तो कोई नहीं पूछता। बच्चे को ह्लतनावग्रस्तह्ल कहने पर आज भी परिवार उसे ह्लकमजोरह्ल समझता है। मानसिक स्वास्थ्य आज भी कलंक बना हुआ है।

कानूनों और नीतियों से आगे बढ़कर अब हमें कुछ व्यावहारिक, संवेदनशील और स्थायी उपाय अपनाने की जरूरत है। हर स्कूल और कॉलेज में प्रशिक्षित काउंसलर अनिवार्य होने चाहिए। सरकार चाहे तो राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत मनोवैज्ञानिकों की नियुक्ति कर सकती है। टेली-काउंसलिंग की सुविधा भी दूर-दराज क्षेत्रों तक पहुँचाई जा सकती है। मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता अंत नहीं है। दिल्ली सरकार के ह्लहैप्पीनेस करिकुलमह्ल की तरह सभी राज्यों में ह्लाइफ स्किल्सह्ल और ह्लइमोशनल एजुकेशनह्ल को अनिवार्य किया जा सकता है।

हर माता-पिता और शिक्षक को यह समझना होगा कि उनकी बातों का बच्चों पर कितना असर पड़ता है। यदि कोई बच्चा अलग-थलग रह रहा है, बात नहीं कर रहा, या अचानक व्यवहार बदल रहा है – तो यह संकेत है कि उसे मदद की जरूरत है। आज हर छात्र के पास मोबाइल है। अगर उसी से वह मनोवैज्ञानिक सहायता पा सके तो कई जानें बच सकती हैं। ह्लकिरण हेल्पलाइनह्ल जैसी पहल को और मजबूत करने की जरूरत है।

मीडिया को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। आत्महत्या की खबरों को सनसनी बनाकर दिखाने के बजाय, मीडिया को यह दिखाना चाहिए कि कैसे मदद ली जा सकती है। फिल्मों और सोशल मीडिया को भी ह्लसफलता या मृत्युह्ल वाली सोच से बाहर लाना होगा। सरकार के हर जिले में यह रिपोर्ट होनी चाहिए कि कितने स्कूलों में काउंसलर हैं, कितनी आत्महत्या की घटनाएँ हुईं और कौन-से कदम उठाए गए। जवाबदेही के बिना कोई नीति सफल नहीं होती।

कानून और नीतियाँ दिशा दिखा सकती हैं, लेकिन वे संवेदना नहीं जगा सकतीं। वह समाज को खुद करनी होगी। हमें यह स्वीकार करना होगा कि बच्चा ह्लरैंकह्ल नहीं, ह्लइंसानह्ल है। उसकी आँखों में सिर्फ. डिग्री नहीं, सपने भी हैं – और उन सपनों को असफलता से नहीं, प्यार और सहारे से संभाला जा सकता है। कोटा, दिल्ली, पटना या हैदराबाद – हर शहर से आती आत्महत्याओं की खबरें हमें झकझोरती हैं, लेकिन कुछ दिन बाद हम भूल जाते हैं। जबकि हर बच्चा जो चला गया, वह हमारे समाज का आईना था – वह यह कह गया कि ह्लतुमने मुझे सुना नहीं ह्ल

भारत में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 और राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम नीति 2021 जैसी पहलें सही दिशा में कदम हैं, लेकिन ये तब तक अधूरी रहेंगी जब तक समाज, परिवार और शिक्षा संस्थान मिलकर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देंगे। हर आत्महत्या एक असफल नीति नहीं, बल्कि असफल संवेदना की कहानी है। समाधान किसी नए कानून में नहीं, बल्कि इस सोच में है कि असफलता कोई अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है।

डा सुधा नन्द झा ज्यौतिषी द्वारा प्रस्तुत मिथिला दैनिक राशिफल

डा सुधा नन्द झा

मेष- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष- परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्ययभार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन- विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क- पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ड्डष्चता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह- दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मड्डष्चतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या- अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला- कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक- कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु- संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर- शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ- विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन- व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

डा सुधा नन्द झा ज्यौतिषी जमशेदपुर झारखंड मो एवं वाट्सअप नंबर 9430336503

गंगाडीह, हल्दीपोखर आने से पुराना झारखंड आंदोलन याद आता है:चंपई सोरेन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

झारखंड का डेमोग्राफी बदल रहा है, भाजपा इसका विरोध करता रहेगा

पोटका। जब जब मैं गंगाडीह आता हूँ तब तब पुराना दिन याद आता है। इसी घर से झारखंड आंदोलन का शुरूआत हुआ था। अनेक तकलीफों को झेलते हुए हमलोग झारखंड अलग राज्य के लिए आंदोलन करते थे। तब किसी के पास न चार चक्का वाहन था न ही दो चक्का। फिर भी आंदोलन को चरम सीमा पर पहुंचाया। उक्त आशय की बात झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने झारखंड आंदोलन के जनक स्व लखी चरण कुंडू के गंगाडीह आवास पर कहा।

उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को हमने अपने हाथों से सींचकर बनाया उस पार्टी में मुझे असहज महसूस होने लगा। मैं अपना अपमान बर्दास्त नहीं कर सका। तब मैने अपने मूल पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल हुआ। मैं पूर्व में नड़वा, जादूगोड़ा, बागजाता माइंस, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में आंदोलन कर मजदूरों को वाजिब हक दिलाया। हजारों आदिवासी मूलवासी को रोजगार दिलाने का काम किया। झामुमो से हटने के बाद मैने सोचा था कि राजनीति से संन्यास ले लेंगे। लेकिन झारखंड के स्थिति को देखकर मुझे आना विचार बदलना पड़ा। आज झारखंड का डेमोग्राफी बदल रहा है। दानपत्र से आदिवासी का जमीन छीना जा रहा है। लेकिन इस लड़ाई में भारतीय जनता पार्टी अगली पंक्ति में खड़ा होकर इसका मुखर विरोध कर रहा है। भाजपा कभी भी डेमोग्राफी नहीं बदलने देगी। इससे पूर्व श्री चंपई सोरेन ने माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना कर देश एवं राज्य के सुखमय जीवन की कामना की। मौके पर जिप सदस्य सूरज मंडल, सुरजीत कुंडू(राजू), दुलाल मुखर्जी, नींबू प्रधान, वकील सोरेन, गणेश सरदार, चंदन लाल, संजय कुंडू, अजय सिंह आदि उपस्थित थे।

ललित एवं प्रदर्शन कला संस्थान, गम्हरिया ने तिरुपति में बालाजी ब्रह्मोत्सव में दी शानदार प्रस्तुति

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया। ललित एवं प्रदर्शन कला संस्थान, गम्हरिया के कलाकारों ने भगवान बालाजी की दिव्य स्थल तिरुमाला, तिरुपति में आयोजित श्रीवारी सलाकटला ब्रह्मोत्सव में मनमोहक प्रस्तुति देकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

कलाकारों की टीम ने 30 सितंबर को भांगड़ा और 1 अक्टूबर को कथक गायन प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को अपनी ऊर्जा, भव्यता और भक्ति से मंत्रमुग्ध कर दिया।

दोनों प्रस्तुतियाँ संस्थान के वरिष्ठ छात्रों द्वारा दी गईं।

इस प्रस्तुति में परंपरा, लय और कलात्मकता का आदर्श मिश्रण दिखाई दिया। कोरियोग्राफर तरित सरकार और प्रशिक्षक गुरदयाल सिंह के कुशल मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने दर्शकों और आयोजकों से अपार प्रशंसा प्राप्त की। तिरुपति में यह प्रदर्शन संस्थान के लिए गौरव का क्षण साबित हुआ।

काण्ड्रा के हनुमान मंदिरों में सम्मिलित रुप से हनुमान चालीसा पाठ करने की परम्परा का शुभारंभ

राष्ट्र संवाद संवाददाता

दुर्गा पूजा और लक्खी पूजा सम्पन्न होने के बाद धार्मिक आस्था को समाज के साथ जुड़ा हुआ रखने के उद्देश्य से आज से काण्ड्रा के हनुमान मंदिरों में प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को संध्या 7.30 बजे सम्मिलित रुप से हनुमान चालीसा पाठ करने का संकल्प लिया गया है। इसी पहल के साथ काण्ड्रा के विभिन्न हनुमान मंदिरों में आज शाम 7.30 बजे कई श्रद्धालुओं ने एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया।

पहलकताओं ने बताया कि यह आयोजन कोई नया प्रयोग नहीं, बल्कि पुराने सामूहिक भाव को पुनर्जीवित करने का प्रयास है। अभी भी लोग मंदिरों में जाते हैं, पर अलग-अलग समय पर। यदि सभी एक समय पर एक स्वर में चालीसा पाठ करेंगे, तो न केवल धार्मिक आस्था मजबूत होगी, बल्कि समाज में एकता और संवाद का भाव भी बढ़ेगा। आयोजकों के अनुसार हमारे व्यक्तित्व की जड़ में हिन्दुत्व है, परंतु उसे हम केवल पूजा-पर्वों तक सीमित रख देते हैं। नतीजा यह होता है कि हमारे भीतर का धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना धीरे-धीरे निष्प्रभ होता जाता है। यही कारण है कि जब कभी हिन्दुत्व या धर्म पर चोट पड़ती है, समाज मौन रह जाता है। प्रतिक्रिया देने की भावना तक शिथिल हो जाती है। यह स्थिति आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर संकेत है।इस प्रवृत्ति को बदलने के लिए सामाजिक स्तर पर जागरूकता की आवश्यकता है। इसके लिए कोई बड़ा आंदोलन नहीं, बल्कि छोटी-छोटी शुरूआत ही काफी है। पहलकताओं ने लोगों से आग्रह किया है कि वे अपने घर के बच्चों को भी साथ लेकर आयें और पाठ के बाद बजरंगबली के चरणों से सिंदूर का तिलक अवश्य लगाएं।

उपायुक्त नितिश कुमार सिंह ने सदर अस्पताल, सरायकेला का किया औचक निरीक्षण, रात्रिकालीन चिकित्सा सेवाओं में सुधार के दिए निर्देश

राष्ट्र संवाद संवाददाता

सरायकेला। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नितिश कुमार सिंह ने मंगलवार को सदर अस्पताल, सरायकेला का औचक निरीक्षण कर अस्पताल प्रबंधन को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर की स्वच्छता, बुनियादी सुविधाओं, चिकित्सकों की उपस्थिति और उपकरणों के प्रभावी उपयोग की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण में मरीजों ने शिकायत की कि रात्रि में चिकित्सक उपलब्ध नहीं रहते और एम्बुलेंस सेवा समय पर नहीं मिलती, जिससे आपातकालीन स्थिति में परेशानी होती है। इस पर उपायुक्त ने सिविल सर्जन और अस्पताल उपाधीक्षक को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि रात्रिकालीन ड्यूटी में चिकित्सकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। भविष्य में किसी भी चिकित्सक या उपाधीक्षक की लापरवाही पाई गई तो कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने अस्पताल में स्वच्छता, उपकरण रखरखाव, मरीजों की बुनियादी सुविधाएँ, चिकित्सकीय सेवाओं का प्रभावी उपयोग और चिकित्सकों के व्यवहार को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस सेवाओं का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए और चिकित्सक क्वार्टरों की मरम्मत कर उन्हें आवासीय उपयोग हेतु तैयार रखा जाए।

साथ ही उन्होंने यह निर्देश भी दिए कि जिन चिकित्सकों की पदस्थापना सरायकेला-खरसावाँ जिले में है, किन्तु वे जिले के बाहर निवास करते हैं, उन्हें हाउस रेंट अलाउंस न दी जाए और वे अस्पताल परिसर या आसपास ही निवास करें, ताकि उनकी उपलब्धता हमेशा बनी रहे।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आम नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और स्वास्थ्य व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसबीआई जादूगोड़ा शाखा ने दिखाई मानवीय पहल, 95 वर्षीय बुजुर्ग के घर पहुंच कर किया केवाईसी

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जादूगोड़ा। भारतीय स्टेट बैंक, जादूगोड़ा शाखा की शाखा प्रबंधक प्राची दास ने एक सराहनीय कदम उठाते हुए 95 वर्षीय धर्मडीह निवासी बुजुर्ग भरत शर्मा के घर पहुंचकर उनका केवाईसी पूरा कराया।

परिजनों ने शाखा प्रबंधक से संपर्क कर केवाईसी कराने का आग्रह किया, क्योंकि बुजुर्ग बैंक आने में असमर्थ थे। इस पर प्राची दास ने स्वयं पहल करते हुए स्टाफ को घर भेजा और संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर केवाईसी प्रक्रिया पूरी करवाई।इस मानवीय पहल की सभी लोगों ने सराहना की और बैंक से आग्रह किया कि वह भविष्य में भी ऐसे लोगों की मदद में आगे आए।

लुगू मुर्मू आवासीय जनजातीय स्कूल भाटीन में पांचवां वार्षिक उत्सव, बच्चों ने मनोहारी नृत्य से बांधा समा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जादूगोड़ा। लुगू मुर्मू आवासीय जनजातीय स्कूल भाटीन में आज पांचवां वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन यूसिल के उपमहाप्रबंधक मनोरंजन महाली ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने स्कूल संस्थापक रामो राम सोरेन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पूरे जिले का पहला ऐसा स्कूल है, जहां 260 जनजातीय बच्चों को निःशुल्क शिक्षा और भोजन उपलब्ध कराया जाता है, जिसमें कोल्हान के 52 अनाथ बच्चे भी शामिल हैं।

इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर समा बांधा। मनोरंजन महाली ने कहा कि यूसिल का सहयोग और कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व अभियान आगे भी जारी रहेगा।

स्कूल संस्थापक रामो राम सोरेन ने बताया कि स्कूल 2019 में स्थापित हुआ और यहां पहली से बारहवीं तक गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा दी जाती है। उन्होंने कहा कि यूसिल और टाटा स्टील फाउंडेशन की मदद से बच्चों को पढ़ाई पूरी होने के बाद नियोजन का अवसर भी मिलेगा।कार्यक्रम को सफल बनाने में यूसिल के उपमहाप्रबंधक मनोरंजन महाली, सुरजीत सोरेन, टाटा स्टील फाउंडेशन से सालखन मुर्मू, शिव शंकर कंडियोम और स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं का अहम योगदान रहा।

घाटशिला उपचुनाव के बिगुल के साथ भाजपा-झामुमो नेताओं में तीखी बयानबाजी, जिलाध्यक्ष ने कुणाल षाडंगी पर किया हमला

राष्ट्र संवाद संवाददाता

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की घोषणा के बाद भाजपा और झामुमो नेताओं के बीच बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। रविवार को झामुमो के कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में प्रवक्ता और पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी ने भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन पर हमला किया।

इसपर भाजपा जिलाध्यक्ष चंडीचरण साव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कुणाल षाडंगी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि चंपाई सोरेन झारखंड निर्माण आंदोलन के अग्रणी नेता हैं और कुणाल

षाडंगी उनके खिलाफ देशद्रोही जैसी बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुणाल के भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थन वाले पोस्ट का भी उल्लेख किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने यह भी कहा कि कुणाल पार्टी बदलते रहते हैं, उनका कोई आत्मसम्मान नहीं बचा है और व्यक्तिगत छवि के चलते वे विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष सौरव चक्रवर्ती ने कहा कि कुणाल को चंपाई सोरेन के खिलाफ नहीं, बल्कि स्थानीय विकास, सड़क, रोजगार, स्वास्थ्य और पर्यटन जैसे मुद्दों पर बात करनी चाहिए।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश साव, जिला महामंत्री हराधन सिंह, जिला उपाध्यक्ष मनोज प्रताप सिंह सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित थे।

सरकारी उपक्रमों की प्रगति को लेकर विधानसभा समिति की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

राष्ट्र संवाद संवाददाता

विभिन्न विभागों के कार्यों की स्थिति पर हुई विस्तृत चर्चा

चाईबासा: पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत परिसदन-चाईबासा के सभागार में मंगलवार को झारखंड विधानसभा की सरकारी उपक्रम संबंधी समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति एवं मझगांव विधायक श्री निरल पूरती ने की, जबकि समिति सदस्य एवं मनोहरपुर विधायक श्री जगत माझी मौजूद रहे।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार मीणा, वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री आदित्य नारायण, परियोजना निदेशक (आईटीडीए) श्री जयदीप तिग्गा, सिविल सर्जन डॉ. सुशांत माझी, अपर उपायुक्त श्री प्रवीण केरकेट्टा, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) श्री संदीप अनुराग टोपनो, सहित विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

परिसदन आगमन पर समिति के सभापति और सदस्य का स्वागत उप विकास आयुक्त द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया गया।

बैठक उपरांत सभापति श्री पूरती ने बताया कि समिति का प्रमुख उद्देश्य राज्य के सरकारी उपक्रमों के संचालन, योजनाओं की प्रगति, उन पर हुए व्यय तथा आम जनता को दी जा रही सेवाओं की निगरानी करना है।

इसी क्रम में आज समिति ने जिले के 29 विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर वन निगम, विद्युत, पेयजल एवं स्वच्छता, स्वास्थ्य, उत्पाद, लघु सिंचाई, जलपथ प्रमंडल और खनन विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान सभी विभागीय पदाधिकारियों को नियमित प्रतिवेदन समिति को उपलब्ध कराने और लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जंबू अखाड़ा में 23 नवंबर को होगा 5 जोड़ों का भव्य सामूहिक विवाह समारोह

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर : शहर के आस्था का केंद्र श्री श्री विजय बजरंग मंदिर,(जंबू अखाड़ा) समिति भालूबासा द्वारा संरक्षक बंटी सिंह की अध्यक्षता में बैठक करके निर्णय लिया गया कि आगामी 23 नवंबर 2025 को भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस पुनीत अवसर पर 5 जोड़ों का विवाह हिन्दू धर्म के पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न होगा।

समिति ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सामाजिक सहयोग प्रदान करना है, ताकि वे अपने बच्चों का विवाह गरिमापूर्ण ढंग से कर सकें। इच्छुक वर-वधू पक्षों से अनुरोध है कि वे 1 नवंबर 2025 तक जंबू अखाड़ा कार्यालय में आधार व जन्म प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी एवं स्वास्थ्य जांच प्रमाण जमा करके निशुल्क पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) अवश्य कराएं। इस आयोजन में वर एवं वधू पक्ष से किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में भी जंबू अखाड़ा समिति द्वारा भव्य और सफल सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें 5 जोड़ों ने नए जीवन की शुरूआत की थी। समिति ने बताया कि इस वर्ष भी कार्यक्रम को और अधिक भव्यता एवं सामाजिक एकता के प्रतीक रूप में संपन्न करने की तैयारियाँ जारी हैं।

इस बैठक में जम्बू अखाड़ा समिति के संरक्षक बंटी सिंह, लाइसेंसी रणबीर मंडल, सचिव मधुसूदन गोस्वामी, अध्यक्ष बृज किशोर, उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, समाजसेवी रोहित सिंह, प्रहलाद लोहरा, अभिजीत घोष, रवि विश्वनाथ, वीरेंद्र चौबे, उमेंद्र पाल,आदि उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

इलाज के बाद घर नहीं लौटी महिला, परिजनों ने लगाई गुहार

भाभी के लापता होने की सूचना थाना में दर्ज

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुरः मुसाबनी थाना क्षेत्र के निवासी अभिनाश कुमार सिंह ने अपनी भाभी शीतल देवी (उम्र 33 वर्ष) के लापता होने की शिकायत मुसाबनी थाना में दर्ज कराई है।

अभिनाश कुमार सिंह के अनुसार, 21 सितंबर 2025 की शाम करीब 6 बजे शीतल देवी एमजीएम अस्पताल से इलाज कराने के बाद घर लौट रही थीं, लेकिन अब तक नहीं पहुंची हैं। परिजनों का कहना है कि उसी शाम उनकी अंतिम बार मोबाइल पर बात हुई थी, जिसके बाद से उनका फोन बंद हो गया।

काफी तलाश और पूछताछ के बावजूद शीतल देवी का कोई पता नहीं चल सका है। परिजन बेहद चिंतित हैं और उन्होंने पुलिस से शीघ्र खोजबीन तेज करने की अपील की है।

ज्ञात हो कि शीतल देवी भागलपुर के नारायणपुर से दुर्गा पूजा देखने आई थीं।

पुलिस ने आवेदन दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, हालांकि अब तक किसी तरह का सुराग नहीं मिल सका है।

गम्हरिया में धूमधाम से मनाया गया श्री श्री सार्वजनिक लक्ष्मी पूजनोत्सव

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया। बड़ा गम्हरिया के ऊपरपाड़ा में श्री श्री सार्वजनिक लक्ष्मी पूजा कमेटी की ओर से लक्ष्मी पूजनोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने दिनभर उपवास रखकर रात्रि में पारंपरिक विधि-विधान से माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और धन-वैभव की कामना की।

पूजनोत्सव में आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूजा और आरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। रात्रि में भजन-कीर्तन और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में पंडित गणेश मुखर्जी, पूजा कमेटी के अध्यक्ष नूनी गोपाल दास, सचिव धनंजय दास, बादल पाल समेत सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

भुआ जंगल और पार्वतीपुर में अवैध शराब पर छापेमारी, 90 लीटर शराब बरामद

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया। जिला उपायुक्त नितिश कुमार सिंह के निर्देश पर उत्पाद अधीक्षक सौरभ तिवारी की देखरेख में उत्पाद विभाग की टीम ने मंगलवार को आरआईटी थाना क्षेत्र के भुआ जंगल और पार्वतीपुर नदी तटवर्ती इलाके में अवैध शराब निर्माण और भंडारण के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया।

अभियान के दौरान करीब 90 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद की गई, जबकि लगभग 500 किलोग्राम जावा महुआ नष्ट किया गया। छापेमारी की भनक लगते ही अड्डा संचालक मौके से फरार हो गए। उनके खिलाफ उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

उत्पाद अधीक्षक सौरभ तिवारी ने कहा कि जिले में अवैध शराब निर्माण, भंडारण और बिक्री पर सघन निगरानी जारी रहेगी तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ह्यदवाईवाला.कॉमह्न फ्रेंचाइजी — एक ही छत के नीचे मिलेगी रियायत दर पर संपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चांडिल - चांडिल वासियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में पहली बार एक नई पहल की शुरूआत हुई है। अब लोगों को एक ही छत के नीचे दवाओं के साथ-साथ पैथोलॉजी लैब, स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह जैसी संपूर्ण सुविधाएं रियायती दर पर मिलेंगी।

चांडिल थाना के सामने स्थित श्याम मेडिकल स्टोर परिसर में ह्यदवाईवाला.कॉमह्न फ्रेंचाइजी का शुभारंभ ईचागढ़ विधायक सविता महतो एवं कुसुम खैतान ने संयुक्त रूप से विधिवत उद्घाटन कर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मामाजी चारु चंद्र किस्कू, जिप सदस्य प्रतिनिधि ओम प्रकाश लायक, श्री श्याम कालभवन के अध्यक्ष संजय चौधरी, उपाध्यक्ष राजीव गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्याम मेडिकल स्टोर के प्रोपराइटर कुणाल खैतान ने बताया कि फ्रेंचाइजी खुलने से चांडिल और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब स्वास्थ्य संबंधी सभी सेवाएं एक ही स्थान पर मिलेंगी।

यहां सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक अनुभवी डॉक्टरों की ऑनलाइन और ऑफलाइन सलाह उपलब्ध रहेगी।

साथ ही शुगर, ब्लड प्रेशर सहित अन्य जांच एवं पैथोलॉजी टेस्ट पर 30% तक की छूट तथा दवाइयों पर 20% तक की रियायत दी जाएगी।

कुणाल खैतान ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

कार्यक्रम में श्यामल मुनका, भोला नाथ जायसवाल, श्रवण जालान, राजू दा, शंकर लायक, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिला कृषकों का हो रहा सशक्तीकरण

जयपुर,एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की संवेदनशील सरकार किसानों के हित में निरंतर ठोस कदम उठा रही है। कृषि को राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हुए सरकार का उद्देश्य न केवल उत्पादन बढ़ाना है, बल्कि कृषकों को आर्थिक रूप से खुशहाल बनाना भी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि किसान आत्मनिर्भर बनें, उनकी आमदनी दोगुनी हो और कृषि को तकनीकी, प्रशिक्षण और संसाधनों से जोड़कर कृषकों को समृद्ध बनाया जाए। इसके साथ ही राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए भी कृतसंकल्पित है। इस दोहरे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रदेश की महिला कृषकों को निशुल्क बीज मिनीकिट का वितरण किया जा रहा है।

कृषि कार्य में महिलाएं बुआई से लेकर कटाई तक अहम भूमिका निभाती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग द्वारा महिलाओं को मूंग, मोठ, ज्वार, मक्का, बाजरा, मूंगफली और सोयाबीन की फसलों के निःशुल्क बीज मिनीकिट वितरित किए जा रहे हैं। इससे महिला कृषक उच्च गुणवत्ता की फसल प्राप्त कर आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ ही राज्य और देश की अर्थव्यवस्था में अपना अहम योगदान दे रही हैं।

बजट घोषणा 2025-26 के अंतर्गत व्यापक बीज वितरण : राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के अंतर्गत खरीफ-2025 सीजन में विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 27 लाख 95 हजार 337 निःशुल्क बीज मिनीकिट वितरित किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ-ओएस) के तहत मूंगफली और सोयाबीन के 18 हजार 966 मिनीकिट, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के तहत उड़द, अरहर और ज्वार के 2 लाख 16 हजार 651 मिनीकिट तथा राज्य बजट घोषणा के अनुसार मक्का के 11 लाख 49 हजार 658, बाजरा के 7 लाख 99 हजार 995, मूंग के 4 लाख और मोठ के 1 लाख बीज मिनीकिट शामिल हैं।

प्राथमिकता वर्गों को लाभ और पारदर्शी वितरण व्यवस्था : इन योजनाओं के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, लघु एवं सीमांत कृषकों, स्वयं सहायता समूहों, निशक्तजनों एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाली महिला कृषकों को प्राथमिकता दी गई है। बीज वितरण की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह कार्य जन आधार कार्ड के माध्यम से किया जा रहा है। संबंधित कृषि पर्यवेक्षक लाभार्थियों को न केवल बीज प्रदान कर रहे हैं, बल्कि विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के अनुसार फसल की किस्म के चयन, बुवाई की विधि, फसल प्रबंधन और बीजों के उचित उपयोग की जानकारी भी दे रहे हैं, जिससे किसान अधिक उपज प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार केन्द्र एवं राज्य की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है। इससे किसानों और महिलाओं का सशक्तिकरण होने के साथ ही राजस्थान आत्मनिर्भर कृषि राज्य बनने की ओर निरंतर अग्रसर हो रहा है।

भाजपा सांसद पर हमला - प्रधानमंत्री के आरोपों पर भड़कीं ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार रात प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान की तीखी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर हुए हमले के लिए राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सोमवार आधी रात के बाद साझा किए गए अपने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने बिना किसी जांच या तथ्यों की प्रतीक्षा किए उत्तर बंगाल की प्राकृतिक आपदा को राजनीति से जोड़ दिया। उन्होंने लिखा, यह दुर्भाग्यपूर्ण और गहरी चिंता का विषय है कि भारत के प्रधानमंत्री ने उचित जांच से पहले ही एक प्राकृतिक आपदा का राजनीतिकरण कर दिया। जब उत्तर बंगाल के लोग बाढ़ और भूस्खलन की विभीषिका से जूझ रहे हैं, तब राजनीति करना अत्यंत असंवेदनशील है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भाजपा नेताओं ने स्थानीय प्रशासन को बिना सूचना दिए केंद्रीय बलों के साथ भारी काफिला लेकर दुर्घटनास्थल का दौरा किया, जिससे राहत और बचाव कार्यों में बाधा उत्पन्न हुई। प्रधानमंत्री द्वारा तृणमूल कांग्रेस और राज्य सरकार को सीधे दोषी ठहराने पर ममता बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसी प्रमाणित साक्ष्य, कानूनी जांच या प्रशासनिक रिपोर्ट का इंतजार किए बिना आरोप लगाए हैं। लोकतंत्र में कानून को अपनी गति से चलने देना चाहिए, दोष तय करने का अधिकार केवल न्यायिक प्रक्रिया को है, किसी राजनीतिक टिप्पणी को नहीं।

मुख्यमंत्री पर लगाए आरोपों को लेकर मंत्री पीयूष का अखिल पर पलटवार

गुवाहाटी,एजेंसी। असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका ने राइजर दल प्रमुख अखिल गोगोई द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा पर लगाए गए आरोपों को निराधार और मनगढ़ंत बताया है। अखिल गोगोई ने आरोप लगाया था कि नॉर्थ-ईस्ट फेस्टिवल के लिए मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के हर विभाग को श्यामकानु महंत को 30-30 लाख रुपये देने का निर्देश दिया था। ज्ञात हो कि श्यामकानु महंत असम के प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में आरोपित हैं। फिलहाल महंत सीबीआई की 14 दिनों की रिमांड पर हैं। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंत्री हजारिका ने आज सोशल मीडिया के जरिए एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा, अखिल गोगोई, क्या आप मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए इस कथित निर्देश की कोई प्रति दिखा सकते हैं? और क्या आप यह भी साबित कर सकते हैं कि किन-किन विभागों ने 30 लाख रुपये का भुगतान किया है उन्होंने कहा कि अखिल गोगोई जनता की भावनाओं से खिलवाड़ कर भ्रामक बातें फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। हजारिका ने तीखा तंज कसते हुए कहा, बिना सबूत के बयानबाजी करने के बजाय तथ्य और प्रमाण के साथ बात करें। आप कहते हैं कि आप दुखी हैं, तो फिर इतनी घटिया राजनीति करने का समय आपको कैसे मिल जाता है।

शिलारू मंडी से सेब खरीदकर कारोबारी फरार, 3.81 करोड़ की ठगी का मामला दर्ज

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में सेब सीजन के दौरान शिमला के ठियोग स्थित शिलारू फल मंडी में करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में कुमारसैन थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एपीएमसी फल मंडी शिलारू में सेब का थोक कारोबार करने वाले व्यापारी बलवीर कटोच निवासी ठियोग ने इस सम्बंध में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया गया कि वह 20 जुलाई से शिलारू मंडी में सेब का व्यापार कर रहा है। इस दौरान उसने और अन्य चार व्यापारियों ने मिलकर कुल 42,264 सेब के कार्टन मोहम्मद नाज़िम पुत्र मोहम्मद यूसुफ निवासी बेंगलुरु नॉर्थ (आरटी नगर) कर्नाटक को बेचे। इन सेबों की कुल कीमत 7.22 करोड़ बताई गई है। इनमें से आरोपित ने 3.40 करोड़ रुपये का भुगतान किया, जबकि शेष 3.81 करोड़ की राशि अभी तक नहीं दी। शिकायतकर्ता के अनुसार 30 सितंबर 2025 को मोहम्मद नाज़िम बिना किसी को बताए मंडी से गायब हो गया। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पाया है। व्यापारियों ने जब भुगतान की मांग की तो आरोपित से संपर्क नहीं हो सका, जिससे ठगी की आशंका पुख्ता हो गई। पुलिस जांच में जुट गई है। बता दें कि शिमला जिला में सेब सीजन के दौरान पहले भी इसी तरह की ठगी के मामले सामने आ चुके हैं।

एक किलो 832 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

सिलीगुड़ी,एजेंसी। नक्सलबाड़ी थाने की पुलिस ने एक किलो 832 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मालदा निवासी शमीम अख्तर और नक्सलबाड़ी निवासी सुशील रॉय के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर नक्सलबाड़ी थाने की पुलिस ने सोमवार देर रात नक्सलबाड़ी के स्टेशन पाड़ा इलाके में अभियान चलाकर दो ड्रग तस्करों को पकड़ा। जब उनकी तलाशी ली गई तो एक किलो 832 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि शमीम अख्तर मालदा से ब्राउन शुगर लेकर नक्सलबाड़ी डिलीवरी करने पहुंचा था।

जेकेआईडीडब्ल्यूएस प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की मुलाकात, विस्थापित कश्मीरी पंडितों को राहत देने के फैसले पर जताया आभार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर आंतरिक रूप से विस्थापित कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री सुशील हाशिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार, 5 अक्टूबर 2025 को दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में महासचिव श्री विनोद कौल, संयुक्त सचिव श्री विनोद सराफ, मीडिया सचिव श्री दीपक हांडू और कार्यकारी सदस्य श्री ओमेश गंजू शामिल थे।

बैठक के दौरान श्री सुशील हाशिया और उनकी टीम ने मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता एवं उनके कैबिनेट मंत्रियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विस्थापित कश्मीरी पंडित राहत धारकों को बड़ी राहत देने वाले ऐतिहासिक निर्णय के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर ह्लएकमुश्त माफीह्व संबंधी कैबिनेट आदेश के त्वरित कार्यान्वयन पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि आदेश का कार्यान्वयन शीघ्र ही बिना किसी देरी के जमीनी स्तर पर किया जाएगा।

श्री सुशील हाशिया ने कश्मीरी पंडित राहत धारकों का विशेष रूप से आभार जताया, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी पिछले 15 महीनों से अधिक समय से समिति पर विश्वास बनाए रखा और सहयोग दिया। उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक श्री ओ. पी. बब्बर, भाजपा जम्मू के केडीडी अध्यक्ष राजीव पंडिता और पूरे कश्मीरी पंडित समुदाय को उनके समर्थन और एकजुटता के लिए धन्यवाद दिया।

हत्या के मामले में फरार चल रहे दो और आरोपित गिरफ्तार

हरिद्वार,एजेंसी। हथियारों से लैस होकर युवक पर हमला कर उसे मौत के घाट उतारने के मामले में फरार चल रहे दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस चार आरोपितों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अभी भी आरोपित फरार बताये गये हैं। पुलिस उसकी भी तलाश में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक 14 अगस्त को रूड़की कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जौरासी जबरदस्तपुर निवासी अमजद पुत्र मो. अली ने पुलिस को तहरीर देकर रजा कुरैशी, जैद कुरैशी 3. अनस कुरैशी, नौमान कुरैशी, अब्दुल्ला कुरैशी, आसिफ कुरैशी, माजिद कुरैशी, आमिर कुरैशी, सुऐब कुरैशी, अमजद कुरैशी, आशु कुरैशी व फरमान कुरैशी निवासीगण ग्राम जौरासी पर एक राय होकर लोहे की रोड, लाढी-डण्डों व धारदार हथियारों से लैस होकर उसके भाई मोहर्रम अली उर्फ लालू व अन्य परिजनों के साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट करने तथामोहर्रम अली उर्फ लालू की गम्भीर चोटों के कारण मौत हो जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था।

इस मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि आठ आरोपित फरार चल रहे थे। आज पुलिस ने दो और आरोपितों आसिफ पुत्र फारूक निवासी ग्राम जोरासी उम्र 20 वर्ष व शोएब पुत्र शाहिद निवासी ग्राम जोरासी जबरदस्तपुर कोतवाली रुड़की को ग्राम जौरासी से धर दबोचा। पुलिस ने दोनों के खिलाफ विधिक कार्यवाही करते हुए उनका चालान कर दिया है।

मिशन शक्ति चरण 5 के तहत महिलाओं को जागरूक किया

काकूपुर में बालिकाओं को सुरक्षा, स्वावलंबन व अधिकारों की जानकारी दी गई

काकूपुर (बिल्हौर), कानपुर,एजेंसी। काकूपुर में मिशन शक्ति चरण 5 के तहत महिलाओं और बालिकाओं के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उन्हें उनके अधिकारों, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के बारे में शिक्षित करना था।

मिशन शक्ति टीम ने विभिन्न स्थानों पर पंपलेट लगाकर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। अभियान के दौरान नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन और महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। महिलाओं और बालिकाओं की सहायता के लिए सरकार द्वारा जारी किए गए कई हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की गई। इनमें 1090, 1076, 1098, 112 और 181 जैसे महत्वपूर्ण नंबर शामिल थे, जिनकी जानकारी मिशन शक्ति टीम द्वारा दी गई। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस थानों पर महिला हेल्थ डेस्क भी स्थापित किए गए हैं।

शिवराजपुर में मिशन शक्ति टीम में प्रभारी महिला उप निरीक्षक राजनंदनी, सहायक प्रभारी महिला उप निरीक्षक साधना कुमारी, उप निरीक्षक जंग बहादुर पटेल, कांस्टेबल प्रदीप कुमार और कांस्टेबल अमित शामिल रहे।

दिवाली से पहले छत्तीसगढ़ में पुरानी गाड़ी खरीदने वालों के लिए बुरी खबर, अब देना पड़ेगा इतना टैक्स

राष्ट्र संवाद ब्यूरो
कमाल अहमद

पुराने वाहनों की खरीद-बिक्री पर एक प्रतिशत टैक्स

यह टैक्स वाहन की मूल शोरूम कीमत पर लागू होगा

रायपुर:- छत्तीसगढ़ में पुरानी गाड़ियों की खरीद अब महंगी हो गई है। राज्य सरकार ने पुराने वाहनों की खरीद-बिक्री पर एक प्रतिशत टैक्स लगाने का फैसला किया है, जिससे आम जनता की जेब पर सीधा असर पड़ेगा।

यह नया टैक्स नियम सभी प्रकार के दो पहिया और चार पहिया वाहनों पर लागू होगा। यानी अब बाइक, कार, ट्रक या किसी भी माल वाहन की खरीदी-बिक्री पर वाहन की कीमत के अनुसार टैक्स चुकाना होगा। इसके बिना वाहन मालिक का नाम ट्रांसफर नहीं किया जाएगा।

उदाहरण के तौर पर, यदि कोई वाहन 10 लाख रुपये का है तो उस पर 10 हजार रुपये टैक्स देना होगा, वहीं 20 लाख के वाहन पर 20 हजार रुपये की देनदारी होगी। यह नियम प्रदेश में पुराने वाहनों की खरीद-बिक्री प्रक्रिया को महंगा बना देगा। इसकी अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित कर दी गई है।

मूल शोरूम कीमत पर लगेगी टैक्स

परवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पुराने वाहनों की खरीद-बिक्री और नाम ट्रांसफर पर एक प्रतिशत टैक्स अनिवार्य कर दिया है। यह टैक्स वाहन की मूल शोरूम कीमत पर लागू होगा, भले ही वाहन कितने भी साल पुराना क्यों न हो। विभाग के आनलाइन सिस्टम में यह प्राविधान अपडेट कर दिया गया है और अब टैक्स चुकाए बिना नामांतरण की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। राज्य के सभी आरटीओ कार्यालयों में यह टैक्स वसूली शुरू कर दी गई है।

हर बार बिकने, नाम ट्रांसफर पर लगेगा टैक्स

हर बार वाहन की बिक्री और नाम ट्रांसफर पर यह टैक्स देना होगा। इससे खासकर उन लोगों पर असर पड़ेगा, जो दिल्ली समेत अन्य शहरों से पुरानी लग्जरी गाड़ियां खरीदकर छत्तीसगढ़ में री-रजिस्ट्रेशन के बाद बेचते हैं। दिल्ली में 15 साल पुराने वाहनों का चलाना अवैध है, लेकिन रायपुर जैसे शहरों में इन्हें नए पंजीकरण के साथ आसानी से बेचा जाता था। अब इन पर अतिरिक्त टैक्स लगने से यह कारोबार प्रभावित होगा।

चार बच्चों की मां की दीवार पर सिर पटक कर हत्या

बाड़मेर,एजेंसी। जिले के सेड़वा थाना क्षेत्र के सुथारों की ढाणी भंवार गांव में सोमवार देर शाम चार बच्चों के साथ रह रही एक महिला की उसके ही घर में दीवार पर सिर पटक-पटक कर हत्या कर दी गई। घटना के वक्त महिला के चारों बेटे स्कूल गए हुए थे। शाम को जब बच्चे घर लौटे, तो मां खून से लथपथ हालत में जमीन पर पड़ी मिली। बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सेड़वा थाना पुलिस मय जाप्ता मौके पर पहुंची और क्षेत्र को सील कर लिया गया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतका ममता (37) पत्नी बींजाराम अपने चार बेटों के साथ गांव में रहती थी, जबकि उसका पति जोधपुर में हैंडीक्राफ्ट का काम करता है। बींजाराम ने दूसरी शादी भी कर रखी है और उसकी दूसरी पत्नी जोधपुर में ही रहती है। घटना की जानकारी मिलते ही देर रात एसपी नरेंद्र सिंह मीना, एएसपी, डीएसपी मदनसिंह सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और एफएसएल व एमओबी टीमों के साथ सबूत जुटाए।

पुलिस के अनुसार, मृतका के सिर पर गहरी चोटें पाई गई हैं और दीवार पर खून के छींटे मिले हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि किसी ने महिला का सिर दीवार पर पटककर हत्या की है।

मौके से एकत्रित सबूतों को जांच के लिए भेजा गया है। वहीं, मृतका का शव चौहटन अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि घटना की जांच के लिए अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गई हैं। मृतका के पति बींजाराम की दो शादियों के विवाद को भी जांच के दायरे में लिया गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल सभी संभावित एंगल पर जांच की जा रही है, जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। इस वारदात से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल और घटनास्थल पर एकत्रित हुए तथा पुलिस से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

सौतेले पिता ने मासूम को दो बार जमीन पर पटका, सिर की चोट लगने से हुई मौत

गोरखपुर एजेंसी । चार वर्षीय मासूम की मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पर्दाफाश हुआ है कि बच्चे की मौत सिर में गंभीर चोट लगने से हुई। आरोपी सौतेले पिता ने गुस्से में आकर बच्चे को दो बार जमीन पर पटक दिया था। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के मुताबिक, बस्ती जिले के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के पाल टोला ननदापुर व वर्तमान में खलीलाबाद निवासी जानकी ने पति रामकेश पर बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। तहरीर में बताया कि 29 सितंबर की शाम करीब सात बजे उसका पति तीन हजार रुपये मांग रहा था। रुपये न होने पर जब जानकी ने मना किया, तो आरोपी गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। इसी दौरान उसका चार वर्षीय बेटा आदर्श खेलते हुए कमरे में आ गया। आरोपी रामकेश ने गुस्से में बच्चे को पकड़कर दो बार जमीन पर पटक दिया, जिससे उसके मुंह और सिर से खून निकलने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और घायल बच्चे को अस्पताल ले गए। आदर्श को पहले निजी अस्पताल में दो दिन इलाज कराया गया, लेकिन रुपये की कमी के कारण बाद में शनिवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान बच्चे की हालत बिगड़ती गई और सोमवार दोपहर उसकी मौत हो गई। मां जानकी अपने परिजनों के साथ मेडिकल चौकी पहुंची ।

दिवंगत पूर्व थाना अध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज को दी गई श्रद्धांजलि

बेगूसराय राष्ट्र संवाद ब्यूरो

2009 बैच के दारोगा और पटना के फतुहा के पूर्व थानाध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज को उनके पैतृक आवास बाजितपुर पीढौली में मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह कांग्रेस पार्टी के तत्वाधान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता अवकाश प्राप्त शिक्षक सह कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष रामस्वरूप पासवान ने की जबकि संचालन शिक्षाविद ब्रह्मदेव पासवान ने किया। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला अध्यक्ष शांति स्वामी, जिला उपाध्यक्ष चुनचुन राय, कांग्रेस के युवा जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, जिला सचिव रवि रंजन कुमार, तेघड़ा नगर अध्यक्ष रणधीर मिश्रा, जिला सचिव राजेश कुमार सरवन, मंडल अध्यक्ष सुकुल सिंह, भाजपा नेता कृष्णनंदन सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सरोज पासवान सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने दिवंगत रूपक कुमार अंबुज के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह उनके मामा सरोज पासवान ने रूपक कुमार अंबुज के व्यक्तित्व एवं उनके कार्यों को याद करते हुए कहा कि 2009 बैच के दरोगा रहे पदोन्नति के बाद फतुहा के

लोकप्रिय थाना अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अपने कर्तव्य और निष्ठा के प्रति समर्पित रहे। पूर्व जिला अध्यक्ष शांति स्वामी ने कहा कि दिवंगत रूपक ईमानदार पुलिस अधिकारी थे उन्होंने कर्तव्य के लिए अपने बीमारी की परवाह किए बिना अपनी जान कुर्बान कर दी। जिला उपाध्यक्ष चुन चुन राय ने कहा जिस क्षेत्र में वे जिम्मेदारी में रहे खास करके फतुहा के लोग उन्हें याद करते हैं इसे पता चलता है कि वह कितने लोकप्रिय थे। आज सभी पुलिस कर्मियों के लिए वे प्रेरणा के स्रोत हैं। युवा जिला अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि उनकी मृत्यु समाज और प्रशासनिक महकमे के लिए अपूर्णिय क्षति है।

ज्ञात हो कि पटना के फतुहा के पूर्व थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रूपक कुमार अम्बुज का निधन दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया था। 26 सितंबर, 2025 दिन शुक्रवार को उनकी मौत की खबर आई थी। रूपक कुमार अम्बुज
बिहार पुलिस के 2009 बैच के दारोगा थे। प्रोन्नति के बाद इंस्पेक्टर बने और फिर रूपक कुमार अम्बुज फतुहा थाना के पूर्व थाना अध्यक्ष रहे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाजितपुर पीढौली से सेवानिवृत्ति प्रधानाध्यापिका चंद्रकला देवी एवं राजेंद्र पासवान सदस्य बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी पटना के छोटे पुत्र व कांग्रेस नेता सरोज पासवान के मांमां रूपक कुमार अंबुज शुरू से ही सामाजिकता और आदर्श के प्रति समर्पित रहते थे। वे अपने पीछे धर्मपत्नी प्रीति कुमारी 11 वर्षीय पुत्र वैभव अंजुम उर्फ प्रीतम एवं 6 वर्षीय पुत्र प्रियांशु अंबुज सहित पूरे परिवार छोड़ गए।

एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

राष्ट्र संवाद संवाददाता

कृषि विज्ञान केन्द्र खोदावंदपुर परिसर में कार्यक्रम आयोजित

खोदावंदपुर /बेगूसराय। खोदावंदपुर कृषि विज्ञान केंद्र में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को किया गया. यह कार्यक्रम 07 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है. आयोजित कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन केविके के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ राम पाल, रीजनल मेज रिसर्च स्टेशन डॉ जी के चिकप्पा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. प्रशिक्षण सत्र का संचालन डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विश्वविद्यालय पूसा, समस्तीपुर के वैज्ञानिकों, कृषि विज्ञान केंद्र

बेगूसराय के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ विपिन, डॉ एन पाटिल, कार्यक्रम सहायक अंशुमान द्विवेदी द्वारा किया जाएगा. प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के सिद्धांतों और प्रथाओं पर ज्ञान बढ़ाना. उर्वरकों, खाद और जैव उर्वरकों के संतुलित और कुशल उपयोग को बढ़ावा देना. मिट्टी स्वास्थ्य और फसल उत्पादकता को टिकाऊ तरीके से सुधारना. पोषक तत्व बजटिंग और कम्पोस्टिंग के लिए व्यावाहारिक कौशल विकसित करना तथा मिट्टी की जैविक गतिविधि और कर्बनिक पदार्थ की मात्रा में सुधार करना है तथा दीर्घकालिक मिट्टी उर्वरता के लिए क्षेत्र स्तर पर आइएनएम के अपनाने को प्रोत्साहित करना है. प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के 30 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं. मौके पर डॉ अलोक कुमार साहू, डॉ चन्द्र मोहन वैज्ञानिक मक्का अनुसंधान केंद्र, बेगूसराय समेत अन्य शामिल थे.

जिला पदाधिकारी ने बोला:सिमरिया केवल बेगूसराय का ही नहीं पूरे देश का धरोहर है

बेगूसराय/ राष्ट्र संवाद ब्यूरो

7 अक्टूबर से 17 नवंबर तक आयोजित कल्पवास मेला का उद्घाटन

बेगूसराय जिले के सिमरिया गंगा तट पर एक महीना तक चलने वाला राजकीय कल्पवास मेला शुरू हो गया है। जिला पदाधिकारी बेगूसराय श्री तुषार सिंगला एवं पुलिस अधीक्षक बेगूसराय श्री मनीष ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर मेला का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं साधु -संत उपस्थित थे।

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी

ने कहा कि सिमरिया सिर्फ बेगूसराय ही नहीं देश का धरोहर है एवं आदिकाल से ही सिमरिया धाम का अपना पौराणिक धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व रहा है।

जिला प्रशासन 7 अक्टूबर से 17 नवंबर तक आयोजित कल्पवास मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं साधु-संतों की सेवा के लिए तैयार और तत्पर है, उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो इसके लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विधि-व्यवस्था संधारण के लिए पर्याप्त संख्या में मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारियों आदि की प्रतिनियुक्ति विभिन्न क्षेत्रों में की गई है। विशेष अवसरों पर आयोजित प्रथम परिक्रमा, द्वितीय परिक्रमा एवं तृतीय परिक्रमा के साथ-साथ दीपावली, नहाय खाय, खरना, प्रथम अर्घ्य, द्वितीय अर्घ्य तथा कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भीड़ प्रबंधन एवं समुचित विधि-व्यवस्था संधारण के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

सर्वमंगला सिद्धाश्रम में महर्षि वाल्मीकि समारोह आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बीहट /बेगूसराय कार्तिक कल्पवास महोत्सव के शुभ अवसर पर सर्व मंगला सिद्धाश्रम परिसर में महर्षि चिदात्मन वेद विज्ञान अनुसंधान न्यास के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह का आयोजन स्वामी चिदात्मन जी महाराज के परम् सानिध्य,डॉ सचिदानंद पाठक की अध्यक्षता तथा संचालक द्वय डॉ घनश्याम झा और स्वामी सत्यानंद जी के द्वारा किया गया। समारोह का शुभारंभ पंडित कन्हैया झा पंडित दिगंबर झा रमेश झा राजेश झा लक्ष्मण झा दिनेश झा रजनीश झा हंस झा के संयुक्त स्वर से हुआ स्वागत गान सुश्री मीनाक्षी और नंदनी कुमारी के द्वारा किया

गया समारोह में विषय प्रवेश करते हुए न्यास के उप निदेशक प्रो अबधेश झा ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने ही सर्वप्रथम विखंडित भारत को अखंडित कर सभी दुख ताप रहित रामराज स्थापित किया किया। समारोह के सम्मानित अतिथि स्वामी प्रेम तीर्थ जी महाराज ने कहा कि डाकू रत्नाकर राम राम जपकर डाकू से महर्षि वाल्मीकि बन गए सम्मानित अतिथि पंडित धनंजय श्रोत्रिय ने कहा कि आदि कवि महर्षि वाल्मीकि अपने तप बल से साक्षात ब्रह्म के समान हो गए। समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ धनाकर ठाकुर ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि एक विलक्षण प्रतिभा से लक्षित व्यक्ति थे संपूर्ण जब संपूर्ण आर्य ब्राह्मणवादी व्यवस्था में व्यस्त है। नारीऔर दलित उतपिरित इस समय हो रहे थे उस समय डाकू रत्नाकर समाज में महर्षि वाल्मीकि के रूप में प्रतिष्ठित होकर समाज को एक नई दिशा दी समारोह के अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद पाठक ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन यह संदेश देता है कि शिव संकल्प से और दृढ़ इच्छा शक्ति से मानव देवत्व की प्राप्ति कर सकता है इस अवसर पर संस्थान के सभी सदस्य तथा न्यास के निदेशक डॉ विजय झा सचिव सुधीर चौधरी उप सचिव प्रो प्रेम मीडिया प्रभारी नीलमणि,नवीन प्रसाद सिंह,दिनेश सिंह,राजीव कुमार,विजय कुमार सिंह,निपेंद्र सिंह,अरविंद चौधरी,सुशील चौधरी,सदानंद झा,रंजना कुमारी,विंदु झा,श्याम ,राम,लक्ष्मण,ऋषिकेश झा आदि उपस्थित थे।

बकाये पारिश्रमिक राशि के भुगतान नहीं होने पर पम्प संचालकों ने पेयजलापूर्ति ठप करने का दिया चेतावनी

राष्ट्र संवाद संवाददाता

खोदावंदपुर,बेगूसराय। मुख्यमंत्री नल जल योजना से जुड़े मेघौल पंचायत के 18 पम्प संचालकों ने विगत कई महीने से बकाये अपनी पारिश्रमिक राशि के भुगतान करवाने की गुहार श्रम अधीक्षक बेगूसराय से लगायी है. पम्प संचालक कन्हैया दास, राम शंकर महतो, शुभम कुमार, चंदन प्रसाद सिंह, सौरभ कुमार, मनीष कुमार, गोविन्द प्रसाद सिंह, इंद्रकांत मिश्र आदि ने श्रम अधीक्षक को दिये आवेदन में बताया है कि उनलोगों को जनवरी 2025 से पारिश्रमिक राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिसके कारण उनके परिजनों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गयी है. पम्प संचालकों ने चेतावनी दी है कि यदि जनवरी 2025 से सितंबर 2025 तक की बकाये पारिश्रमिक राशि का एक मुश्त भुगतान नहीं किया जायेगा तो वेलोग नल जल योजना संचालन का कार्य ठप कर देंगे.

कालाजार है एक संक्रमण बीमारी समुदाय में जागरूकता है जरूरी : डॉ शुभाष रंजन झा

बेगुसराय /राष्ट्र संवाद ब्यूरो

कालाजार एक संक्रमण वाली बीमारी है जिसके प्रति समुदाय के सभी लोगों को जागरूक रहन जरूरी है .इस बीमारी के प्रति जागरूकता लाने के उदेश्य से जिले में रोगी हितधारक मंच के सदस्यों के द्वारा नियमित टीकाकरण स्थल एवं स्कूलों में जाकर बीमारी के होने वाले कारण के साथ उसके लक्षण एवं बचाव के बारे में बताया जा रहा है .ताकि लोगों को कालाजार से समुदाय को पूरी तरह से सुरक्षित किया जा सके डॉ रंजन झा ने बताया की कालाजार लिश्मौनिया डोनोवानी के कारण होता है . संक्रमित मादा बालू मक्खी जब किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटती है, तो परजीवी उसके शरीर में प्रवेश कर जाता है और उस व्यक्ति में कालाजार का संक्रमण हो जाता है. इस कारण लोगों को पुरे बाँह के कपडे पहनने के साथ साफ -सफाई का हमेशा ध्यान रखना चाहिये. कालाजार जैसे बीमारी के प्रति समुदाय को

जागरूक रहना बहुत ही जरुरी है जिले के बरौनी प्रखंड अंतर्गत गढ़हरा आयुष्मान आरोग्य मंदिर के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पारसमणि ने बताया की क्षेत्र में रोगी हितधारक मंच एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार कार्यक्रम के अवसर पर कालाजार मरीज के लिए खोजी अभियान चलाया गया था .

इस अभियान में एक मरीज को कालाजार की पुष्टि होने पर उक्त मरीज को समुचित इलाज के साथ उस क्षेत्र में सिंथेटिक पावडर का छिड्काव भी किया गया .इस अभियान में रोगी हितधारक मंच के सदस्यों के द्वारा पूरा सहयोग किया गया .

बरौनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ मनोज कुमार ने बताया की बालू मख्खी प्रायः नमी वाली जगहों पर पनपता है ,इसलिए अपने घर के अंदर एवं बाहर नमी न होने दें साथ ही साफ -सफाई का भी पूरा ध्यान रखें . इस बात का भी ध्यान रखें की अगर घर के दिवार मिट्टी के बने हैं तो उनमे जो दरार आ जाती है उसे भरकर रखें . क्योकीं अक्सर देखा जाता है की इन दरारों में नमी आ जाती है एवं मच्छर पनपने लगते हैं . साथ ही घर में सोने के समय मच्छर दानी का जरुर प्रयोग करें

विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने विद्यालय परिसर में अवस्थित आंगनबाड़ी केंद्र की मरम्मती कार्य में हो रहे विलंब के कारण विद्यालय की सम्पति की हो रही क्षति पर आपति जताई है

भगवानपुर /बेगूसराय प्रखंड क्षेत्र स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय अतरुआ में मंगलवार को उक्त विद्यालय की शिक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई,जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष जगतारिणी देवी ने किया। उक्त बैठक में सबसे पहले शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई जिसके संबंध में प्रधानाध्यापक विश्वनाथ साह के द्वारा सदस्यों को जानकारी दी गई कि मतदाता पुनरीक्षण कार्य समाप्ति के उपरांत उक्त कार्य में लगे विद्यालय के शिक्षकों के वापस लौटने के बाद पठन पाठन का माहौल बेहतर हुआ है। उसके बाद विद्यालय में संचालित प्रधानमंत्री पोषण योजना के क्रम में वर्तन की साफ-सफाई, खाद्यान्न की स्वच्छता तथा मशाला की

गुणवत्ता पर सदस्यों ने संतोष जताया तथा विद्यालय में संचालित पोषण योजना के अंतर्गत माह सितम्बर में व्यय की गई राशि का अनुमोदन किया गया। शिक्षा समिति के सदस्यों ने विद्यालय परिसर में अवस्थित जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र का महीनों से चल रहे जीर्णोद्धार में संवेदक द्वारा लापरवाही के कारण हो रहे कच्छप गति से कार्य पर क्षोभ जताया। प्रधानाध्यापक विश्वनाथ साह, अध्यक्ष जगतारिणी देवी व सचिव रुक्मिणी देवी ने संयुक्त रूप से बताया कि उक्त आंगनबाड़ी केंद्र विद्यालय के परिसर में अवस्थित है तथा इसका जीर्णोद्धार का काम महीनो से चल रहा है। इसके कारण उक्त आंगनबाड़ी केंद्र का आगे और पीछे दोनों द्वार खुला हुआ है। जिसके कारण उक्त मार्ग से लावारिस पशु व असमाजिक तत्व विद्यालय परिसर में घुस कर झूला,नल,फुल का गमला आदि तोड़ दिया जाता है। विद्यालय परिसर में जहां तहां शौच आदि कर गंदगी फैलाया जाता है। उन्होंने कहा कि रात में असमाजिक तत्व उक्त परिसर में बैठकर मद्यपान आदि करते हैं। जिसके कारण विद्यालय असुरक्षित है। सदस्यों ने सुरक्षा की दृष्टि से आंगनबाड़ी केंद्र के पास चारदीवारी निर्माण किये जाने की मांग की है। उक्त अवसर पर प्रधानाध्यापक, अध्यक्ष, सचिव के आलावा सदस्य आरती देवी, कविता देवी, रुक्मिणी देवी, हीरा देवी,संजीला देवी, विजय भारती आदि उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

नहीं बन रहा प्रमाण-पत्र, बच्चों का भविष्य अधर में

राष्ट्र संवाद संवाददाता

खोदावंदपुर,बेगूसराय। आर टी पी एस कार्यालय कर्मियों की मनमानी से छात्र छात्रा परेशान हैं. विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं का जाति, आवासीय, आय व अन्य जरुरी प्रमाण पत्र नहीं बन रहा है. इसको लेकर युवाओं में काफी आक्रोश है. कई छात्र छात्राओं ने बताया कि उन्हें आगामी 14 एवं 15 अक्टूबर को प्रतियोगिता परीक्षा देनी है. इसके लिए जाति आवासीय व आय प्रमाण-पत्र की जरूरत है. इन प्रमाण पत्रों के लिए कई दिन पहले ऑनलाइन आवेदन किया गया, परन्तु प्रमाण-पत्र निर्गत करने की निर्धारित तिथि बीत जाने के बाद भी आर टी पी एस कार्यालय से प्रमाण-पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है, इससे उनलोगों का भविष्य अंधकारमय हो गया है.

बेगुसराय में अनूठी पहल: 'गोद भराई' बनी पोषण और मतदान जागरूकता का महामंच

बेगूसराय /राष्ट्र संवादब्यूरो

बेगुसराय: पोषण माह के अवसर पर, बेगुसराय जिले में एक अनूठी और बहुआयामी पहल देखने को मिली, जहाँ सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित विशेष गोद भराई कार्यक्रम को मतदाता जागरूकता अभियान के साथ एकीकृत किया गया। यह उत्सव जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आईसीडीएस, रश्मि कुमारी की देखरेख में एक सफल जन आंदोलन के रूप में मनाया गया।

पोषण और लोकतंत्र का समन्वय

कार्यक्रम का केंद्रीय संदेश स्पष्ट था: जिस तरह स्वस्थ शिशु के लिए उत्तम पोषण आवश्यक है, उसी तरह सशक्त लोकतंत्र के लिए शत-प्रतिशत मतदान अनिवार्य है। आंगनबाड़ी कार्यकताओं और महिला पर्यवेक्षिकाओं ने गोद भराई की रस्मों के बीच मतदान के महत्व को प्रभावी ढंग से समझाया।

मतदाता जागरूकता की मुख्य गतिविधियाँ:

शपथ ग्रहण: उपस्थित गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को बिना लोभ या डर के आगामी चुनावों में मतदान करने की शपथ दिलाई गई।

अधिकार बोध: उन्हें सरल भाषा में एक वोट की शक्ति समझाई गई और यह बताया गया कि उनका मत किस प्रकार उनके गाँव और जिले के विकास को प्रभावित करता है।

पंजीकरण पर जोर: महिलाओं को मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने और पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।

अधिकारियों के वक्तव्य: 'दोहरी जिम्मेदारी' पर फोकस

इस दोहरे दृष्टिकोण को आईसीडीएस अधिकारियों ने सराहा।

आईसीडीएस की जिला प्रोग्राम पदाधिकारी , रश्मि कुमारी ने इस पहल को रेखांकित करते हुए कहा, ₹यह 'गोद भराई' कार्यक्रम हमारे लिए केवल एक रस्म नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन का रूप है। हमने इस उत्सव को पोषण और लोकतंत्र के दो महत्वपूर्ण संदेशों को एक साथ जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनाया है। गर्भावस्था में लिया गया पौष्टिक आहार जहाँ स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करता है, वहीं आपका एक-एक वोट बेहतर और मजबूत लोकतंत्र का भविष्य तय करता है। हम सब मिलकर बेगुसराय में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करेंगे।₹

वहीं, आईसीडीएस के जिला परियोजना सहायक, अश्वनी कौशिक ने इसे सामुदायिक स्वास्थ्य और लोकतंत्र के स्वास्थ्य की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा, ₹हमारा उद्देश्य केवल गर्भवती माताओं को पोषण के लिए प्रेरित करना नहीं है, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर अपने मतदान के अधिकार के प्रति भी जागरूक करना है। जिस प्रकार स्वास्थ्य हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है, उसी प्रकार शत-प्रतिशत मतदान भी एक सशक्त और स्वस्थ समाज के लिए अनिवार्य है।₹

कार्यक्रम में सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षिकाएँ और पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की। यह सफल प्रयास दिखाता है कि बेगुसराय जिला प्रशासन सामाजिक-स्वास्थ्य कार्यक्रमों को नागरिक जागरूकता अभियानों के साथ जोड़कर एक व्यापक जन-जागरण का रूप दे रहा है।

पोषण माह के अवसर पर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर गोद भराई कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

साहेबपुरकमाल /बेगूसराय बाल विकास परियोजना साहेबपुरकमाल अंतर्गत पोषण माह के तहत सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर गोदभराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।केंद्र संख्या 98 तथा 104 पर आयोजित कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा इस बार पोषण माह के मुख्य छः विषयों मोटापा नियंत्रण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा,शिशु एवं बाल आहार, पुरुष सहभागिता, स्थानीय वस्तु हेतु जन-जागरण तथा सहयोगी गतिविधियों एवं डिजिटलीकरण हेतु सामुदायिक जागरूकता गतिविधियां के माध्यम से किस प्रकार गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओ,0-6 वर्ष तक के बच्चे तथा किशोरियों में कुपोषण में कमी लाने हेतु होने वाले अलग-अलग गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। पोषणमाह के तहत बच्चों,गर्भवती महिलाओं तथा किशोरियों में पोषण के स्तर सुधारने हेतु मोटे अनाज को अपने आहार में शामिल करना तथा लोकल भोजन को बढ़ावा देना साथ ही साथ 7 खाद्य समूहों में से 4 खाद्य समूहों को अपने भोजन में शामिल करना। गोदभराई के माध्यम से महिलाओं में पोषण के स्तर में सुधार हेतु जानकारी दिया गया। साथ ही साथ आगामी बिहार विधानसभा चुनाव हेतु समुदाय के लोगो को मतदान हेतु जागरूक किया गया।

मौके पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी संगीता कुमारी, प्रखंड समन्वयक रौशन कुमार, महिला पर्यवेक्षिका लालिमा कुमारी, सेविका काजल कुमारी, मिंटू कुमारी तथा लाभुक एवं अभिभावक आदि उपस्थित हुए।

पंजीयन संख्या :JHAHIN01092 स्वामी , प्रकाशक , मुद्रक व संपादक देवानंद सिंह द्वारा अमन प्रिंटर , 66 गोलमुरी बाजार , जमशेदपुर - 3 से मुद्रित तथा अमन पब्लिकेशन राष्ट्र संवाद , 66 गोलमुरी बाजार , जमशेदपुर -3 झारखंड से प्रकाशित ।फोन : 0657 - 2341060 /2344002 मो:09431179542 /09102339999 / 07739802044 / 09334823893

प्रमोद भगत ने अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा, अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन गोल्ड

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने 30 सितंबर से पांच अक्टूबर तक नाइजीरिया के अबिया में हुए पहले अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन खिताब जीतकर अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा। 37 वर्षीय पैरा खिलाड़ी भगत ने तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन तीन बार अपने स्थान की जानकारी देने से संबंधित चूक के कारण पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए थे।

भगत ने फाइनल में हमवतन मंटू कुमार को 21-7, 9-21, 21-9 से कड़ी टक्कर देते हुए पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। अठारह महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल जीतने वाले भगत ने दूसरा गेम हारने के बाद मजबूती से वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता जिसमें उन्होंने पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लोस्टानौल और डायना रोजास गोलाक को 21-13, 21-17 से हराया।

भगत को तीसरा खिताब मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) में मिला जिसमें उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर एक और करीबी फाइनल जीता। भगत ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और भारत को गौरव दिलाना हमेशा खास होता है।

युगल में भगत के साथी सुकांत कदम ने कहा, 'प्रमोद के साथ खेलना मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कोर्ट पर हमारी समझ हर मैच के साथ मजबूत हो गई है। इस जीत से आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।

क्लेयर टेलर का रिकॉर्ड खतरे में, नैट साइवर-ब्रंट इतिहास रचने से 10 रन दूर

गुवाहाटी । इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट अब अपने देश के वनडे इतिहास में नई उपलब्धि के कगार पर हैं। वह पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज क्लेयर टेलर को पीछे छोड़कर इंग्लैंड की तीसरी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली वनडे खिलाड़ी बनने से केवल 10 रन दूर हैं। अगर वह मंगलवार को गुवाहाटी में बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप मैच में यह आंकड़ा पार कर लेती हैं, तो नया इतिहास रचेंगी।

नैट साइवर-ब्रंट ने अब तक 122 वनडे मैचों में 4,092 रन बनाए हैं। उनका औसत 46.50 और स्ट्राइक रेट 95.34 है। इस दौरान उन्होंने 9 शतक और 34 अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 148 नॉट आउट रहा है। इंग्लैंड की बल्लेबाजी में वह पिछले एक दशक से लगातार भरोसेमंद नाम रही हैं। पूर्व स्टार खिलाड़ी क्लेयर टेलर ने 126 वनडे मैचों में 4,101 रन बनाए थे। उनका औसत 40.20 और स्ट्राइक रेट बेहद सटीक था। साइवर-ब्रंट सिर्फ 10 रन बनाकर इस रिकॉर्ड को पार कर लेंगी, जिससे वह इंग्लैंड की तीसरी सबसे सफल वनडे बल्लेबाज बन जाएंगी। इंग्लैंड के लिए वनडे में सबसे ज्यादा रन चार्लोट एडवर्ड्स के नाम हैं। उन्होंने 191 मैचों में 5,992 रन बनाए, जिनमें 9 शतक और 46 अर्धशतक शामिल हैं। एडवर्ड्स के बाद हीदर नाइट और अब नैट साइवर-ब्रंट टीम की प्रमुख स्तंभ हैं।

जहीर खान : वो गेंदबाज, जिसने इंजीनियर के बजाए स्विंगर बनकर देश का नाम रोशन किया

नई दिल्ली । भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने अपनी स्विंग और सटीक लाइन-लेंथ से देश को कई मैच जिताए। भारत को साल 2011 में विश्व कप खिताब जिताने में अहम योगदान देने वाले जहीर खान गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने की क्षमता रखते थे। 7 अक्टूबर 1978 को महाराष्ट्र के श्रीरामपुर में जन्मे जहीर खान का सपना इंजीनियर बनना था, लेकिन पिता की एक नसीहत ने उनकी तकदीर ही बदल दी। जहीर खान एक बेहतरीन तेज गेंदबाज थे। जहीर खान के पिता की सोच, दूसरों के पिता की तरह बिल्कुल भी नहीं थी। उनके पिता चाहते थे कि बेटा इंजीनियरिंग के बजाय देश के लिए क्रिकेट खेले।

एक दिन पिता ने जहीर खान से कहा कि देश में इंजीनियर तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें एक तेज गेंदबाज बनना चाहिए, ताकि देश के लिए खेल सकें। जहीर खान भी पिता की बात से सहमत थे।

जब जहीर खान 17 साल के थे, तो पिता उन्हें मुंबई ले गए। जहीर खान के टैलेंट को देखते हुए उन्हें एमआरएफ पेस फाउंडेशन की ओर से खेलने का मौका दिया गया। यहां कोच डेनिस लिली ने जहीर की क्षमता को पहचान लिया और उनकी गेंदबाजी में सुधार किया।

जहीर खान ने जिमखाना के खिलाफ फाइनल मैच में सात विकेट लेकर सुर्खियां बटोरीं। उन्हें मुंबई और वेस्ट जोन की अंडर-19 टीम में भी स्थान मिला।

घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान को साल 2000 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। इसी वर्ष उन्होंने भारत के लिए टेस्ट और वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया।

जहीर खान ने साल 2002 में कुल 15 टेस्ट खेले, जिसमें 29 की औसत के साथ 51 विकेट अपने नाम किए। अगले तीन साल जहीर खान 9, 19 और 10 ही विकेट हासिल कर सके।

खराब फॉर्म के चलते जहीर खान को टीम से बाहर तक बैठना पड़ा। इस दौरान जहीर खान ने बल्लेबाजों को चकमा देने के लिए नकल बॉल का इजाद किया और टीम में शानदार वापसी की।

जहीर खान स्विंग के महारथी थे। उनकी गेंदों को पढ़ने के लिए बल्लेबाजों को काफी मेहनत करनी पड़ती थी।

जहीर खान गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने की क्षमता रखते थे। वह नई और पुरानी गेंद से रिवर्स कराने में माहिर थे। उनकी सटीक लाइन और लेंथ बल्लेबाजों को परेशान करती थी। जहीर की यॉर्कर बहुत प्रभावशाली थी। बाएं हाथ का स्वाभाविक कोण दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए अक्सर मुश्किल पैदा करता।

जहीर खान ने वर्ल्ड कप 2003 में सौरव गांगुली की अगुवाई में शानदार प्रदर्शन किया। जहीर ने उस विश्व कप के 11 मुकाबलों में 18 विकेट हासिल किए। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले चौथे गेंदबाज रहे। इसके बाद जहीर विश्व कप 2007 की टीम में भी जगह बनाने में कामयाब रहे।

साल 2011 में भारत को विश्व कप खिताब जिताने में जहीर खान का अहम योगदान रहा, जिन्होंने 9 मुकाबलों में 18.76 की औसत के साथ 21 विकेट हासिल किए। वह शाहिद अफरीदी के साथ सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले संयुक्त रूप से नंबर-1 गेंदबाज रहे।

जहीर खान ने टेस्ट करियर में 92 मुकाबले खेले, जिसमें 32.94 की औसत के साथ 311 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उन्होंने 11 बार पारी में 5 या इससे अधिक विकेट हासिल किए।

वहीं, 200 वनडे मुकाबलों में उन्होंने 29.43 की औसत के साथ 282 विकेट निकाले। इसके अलावा, 17 टी20 मैचों में उनके नाम 17 विकेट रहे।

जहीर खान ने 169 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 672 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने 253 लिस्ट-ए मैचों में 357 विकेट निकाले।

पहला वर्ल्ड कप जीतने वाले क्रिकेटर बर्नार्ड जूलियन ने दुनिया को अलविदा कहा

नई दिल्ली । 1975 की विश्व चैंपियन टीम का अहम हिस्सा रहे वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बर्नार्ड जूलियन ने 24 टेस्ट और 12 वनडे मुकाबलों में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया था। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड ने जूलियन को 1975 की चैंपियन टीम का एक महत्वपूर्ण सदस्य बताया था, जिन्होंने 5 मुकाबलों में 17.70 की औसत के साथ 10 विकेट हासिल किए।

बर्नार्ड जूलियन ने उस विश्व कप श्रीलंका के विरुद्ध 20 रन देकर 4 विकेट हासिल किए थे। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 विकेट अपने नाम किया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में जूलियन ने 12 ओवरों में 27 रन देकर 4 विकेट निकाले थे।

खिताबी मुकाबले में जूलियन ने एक आक्रामक ऑलराउंडर के रूप में अपनी चमक बिखेरी। ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध फाइनल मैच में उन्होंने 37 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाए थे। हालांकि, गेंद से कोई सफलता हासिल नहीं कर सके।

त्रिनिदाद और टोबैगो गार्जियन ने क्लाइव लॉयड के हवाले से लिखा, जूलियन हमेशा 100 प्रतिशत से ज्यादा देते थे। वह कभी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटते थे। मैं हमेशा बल्ले और गेंद, दोनों से उन पर भरोसा कर सकता था। उन्होंने हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

बर्नार्ड जूलियन ने साल 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर मैच जिताऊ 121 रनों की पारी खेलकर अपना पहला टेस्ट शतक बनाया था। क्लाइव लॉयड ने कहा, हम सभी जूलियन का पूरा सम्मान करते थे। वह खूब मौज-मस्ती करते थे। सभी लोग उन्हें प्यार करते थे। मुझे याद है कि हमने लॉर्ड्स में टेस्ट मैच जीता था। वहां उन्होंने फैंस को काफी देर तक ऑटोग्राफ दिए थे। हम जहां भी जाते, वहां उनका बहुत सम्मान किया जाता था।

1 दिसंबर से लंका प्रीमियर लीग की शुरुआत

भारतीय खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली । लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा संस्करण 1 से 23 दिसंबर के बीच खेला जाएगा, जिसमें भारतीय खिलाड़ी भी हिस्सा लेने जा रहे हैं। ऐसे में फैंस इस टी20 लीग से जबरदस्त रोमांच की उम्मीद कर रहे हैं। पहली बार लंका प्रीमियर लीग में भारतीय क्रिकेटर हिस्सा लेंगे, जिनके नाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे। माना जा रहा है कि भारतीय खिलाड़ियों के जुड़ने से इस लीग की लोकप्रियता में इजाफा होगा। लंका प्रीमियर लीग के इस संस्करण में कुल 24 मैच खेले जाएंगे। इस दौरान 20 लीग मैच और 4 नॉकआउट मुकाबले होंगे।

यह सभी मुकाबले कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने हैं।

इस टूर्नामेंट में पांच फ्रेंचाइजी हिस्सा लेने जा रही हैं। लीग चरण के दौरान सभी फ्रेंचाइजी दो बार आमने-सामने होंगी।

राउंड-रॉबिन चरण के बाद, शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। पहला प्लेऑफ मैच यानी क्वालीफायर 1 शीर्ष दो टीमों के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी।

तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर मुकाबले में भिड़ेंगी। एलिमिनेटर मैच की विजेता टीम क्वालीफायर 1 में हारने वाली टीम से क्वालीफायर 2 में भिड़ेगी। क्वालीफायर 2 जीतने वाली टीम फाइनल में अपना स्थान बनाएगी, जहां उसका सामना क्वालीफायर 1 की विजेता टीम से होगा।

लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) की टूर्नामेंट निदेशक सामंथा डोडनवेला ने कहा, इस संस्करण का समय सावधानीपूर्वक चुना गया है, ताकि खिलाड़ियों को वैश्विक क्रिकेट वर्ष की शुरुआत में अधिकतम अनुभव और उच्च-गुणवत्ता वाला मैच अभ्यास मिल सके। उन्होंने कहा, पिछले कुछ सीजन में, एलपीएल नई प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा स्थल के रूप में उभरा है, जहां कई युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ अपनी पहचान बना रहे हैं। हमारा मानना ??है कि इस वर्ष भी लीग में कई युवा खिलाड़ी उभरेंगे, जो वर्ल्ड कप से पहले विश्व मंच पर उम्दा प्रदर्शन कर सकते हैं।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया

मैथ्यू रेनशॉ को मिला वनडे डेब्यू का गोल्डन चांस, जानिए टेस्ट में कैसा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज (शुरुआती दो मैच) के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। लिस्ट-ए में शानदार प्रदर्शन करने वाले मैट रेनशॉ को शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है, जो अब वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर सकते हैं। रेनशॉ ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से खेलते हुए श्रीलंका ए के विरुद्ध बतौर कप्तान 80, 106 और 62 रन की पारियां खेली थीं। 50 ओवरों के फॉर्मेट में आमतौर पर नंबर-3 या 4 पर बल्लेबाजी करने वाले 29 वर्षीय मैट रेनशॉ ने साल 2016 में टेस्ट टीम में डेब्यू किया था। यह बाएं हाथ का खिलाड़ी 14 टेस्ट मुकाबलों में 29.31 की औसत के साथ 645 रन बना चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और 3 अर्धशतक निकले हैं।

मैट रेनशॉ ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में कुल 126 मुकाबले खेले, जिसमें 37.28 की औसत के साथ यह बल्लेबाज 7,681 रन अपने नाम कर चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से 23 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले। वहीं, 76 लिस्ट-ए मुकाबलों में रेनशॉ ने 41.13 की औसत के साथ 2,756 रन जुटाए हैं।

मैट रेनशॉ के साथ तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की वनडे टीम में वापसी हुई है, जो नवंबर 2024 के बाद पहली बार वनडे मैच खेलने को तैयार हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19, 23 और 25 अक्टूबर को वनडे मुकाबले खेले जाने हैं, जिसके बाद 29 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 2 नवंबर, 6 नवंबर और 8 नवंबर को टी20 मैच खेले जाएंगे।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम- मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क और एडम जांपा।

भारत के विरुद्ध शुरुआती दो टी20 मुकाबलों के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम- मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जांपा।

अंडर-19 टीम देहरादून में वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए रवाना

चंडीगढ़। चंडीगढ़ की अंडर-19 बॉयज टीम 9 अक्टूबर से शुरू हो रहे वीनू मांकड़ ट्रॉफी एक दिवसीय टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए देहरादून (उत्तराखंड) के लिए रवाना हो गई है। चंडीगढ़ को छत्तीसगढ़, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, हैदराबाद और त्रिपुरा के साथ एलीट पूल में रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 9 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के खिलाफ करेगी, उसके बाद 11 अक्टूबर को कर्नाटक, 13 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश, 15 अक्टूबर को हैदराबाद और 17 अक्टूबर को त्रिपुरा के खिलाफ मैच खेलेगी। टीम में आदित्य गुसाईं, अकुल भनोट, बलराज सिंह, बिक्रम सिंह सांगा, दक्ष कश्यप, एहित सिंह सलारिया, गगन प्रीत सिंह, ईशान गर्ग, मार्कंडेय पांचाल, मीत दहिया, मोहम्मद ज़ैद, ऋतिक संधू, शबद सिंह, श्रेष्ठ दुग्गल और युवराज सिंह शामिल हैं। सपोर्ट स्टाफ में विनीत जैन (कोच), गगन सिंह (मैनेजर) और दिव्यांश वशिष्ठ (ट्रेनर) समीर लठवाल (फिजियो) शामिल हैं।

मैं कप्तान बनना चाहता हूं- यशस्वी जायसवाल का बड़ा सपना, IPL से हो सकती है शुरूआत

भारतीय क्रिकेट का युवा सितारा यशस्वी जायसवाल मैदान पर अपने शॉट्स से विरोधियों को हैरान करते हैं, लेकिन अब उनकी नज़र सिर्फ़ रनों पर नहीं, बल्कि एक और बड़ी मंजिल पर है भारतीय टीम की कप्तानी। शुभमन गिल की वनडे कप्तानी संभालने के बाद क्रिकेट में नई पीढ़ी का दौर शुरू हो गया है, और अब जायसवाल ने भी अपने दिल का सपना खुलकर बताया है, एक दिन भारत का कप्तान बनना।

हर दिन खुद को लीडर के रूप में बेहतर बना रहा हूँ- राज शामानी के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जायसवाल ने कहा, मैं हर दिन खुद पर काम कर रहा हूँ ताकि सिर्फ़ एक अच्छा खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक अच्छा लीडर भी बन सकूँ। फिलहाल अपनी फिटनेस और मानसिक मजबूती पर ध्यान दे रहा हूँ। एक दिन मैं कप्तान बनना चाहता हूँ – यही मेरा सपना है।

फिटनेस और अनुशासन पर फोकस- 23 वर्षीय जायसवाल ने बताया कि वह अपने शरीर को बेहतर समझने और मैच फिटनेस पर ज़ोर देने में जुटे हैं। उनका मानना है कि लीडर बनने से पहले खिलाड़ी को खुद का अनुशासन बनाना ज़रूरी है। जितना मैं अपने शरीर और खेल को समझूंगा, उतना ही टीम को प्रेरित करने में सक्षम रहूंगा, उन्होंने कहा।

जमीन से जुड़े, पर सोच ऊंची- मुंबई की गलियों से टीम इंडिया तक का सफर तय करने वाले जायसवाल अब क्रिकेट के बड़े मंच पर खुद को सिर्फ़ बल्लेबाज़ नहीं, बल्कि भविष्य के कप्तान के रूप में देखते हैं। उनकी सोच दर्शाती है कि यह युवा खिलाड़ी सिर्फ़ रन नहीं, बल्कि टीम की दिशा तय करने का भी जज़्बा रखता है।

क्या राजस्थान रॉयल्स में मिलेगी पहली कप्तानी?- राजस्थान रॉयल्स में संजू सैमसन की कप्तानी को लेकर चर्चाएँ तेज़ हैं। ऐसे में यशस्वी जायसवाल को भविष्य के लीडर के रूप में देखा जा रहा है। टीम प्रबंधन के भीतर माना जा रहा है कि जायसवाल न सिर्फ़ मैदान पर प्रदर्शन के ज़रिए, बल्कि अपनी सोच और ऊर्जा से भी टीम को नई दिशा दे सकते हैं।

महिला विश्व कप : भारत के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन

आईसीसी ने लगाई पाकिस्तानी बल्लेबाज को फटकार

कोलंबो। भारत-पाकिस्तान के बीच रविवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में हाई-वोल्टेज मुकाबला खेला गया। इस मैच के दौरान अपने बर्ताव के चलते पाकिस्तानी खिलाड़ी सिदरा अमीन को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। यह घटना पाकिस्तान की पारी के 40वें ओवर की है। इस ओवर की पांचवीं गेंद पर स्नेह राणा ने सिदरा को हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद सिदरा ने अपना बल्ला जोर से पिच पर मारा। सिदरा को खिलाड़ियों और प्लेयर सपोर्ट पर्सनल के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदानी उपकरणों या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है।

इसके अलावा, सिदरा अमीन के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। यह 24 महीनों की अवधि में सिदरा का पहला अपराध था।

लेवल 1 के उल्लंघन के परिणामस्वरूप कम से कम आधिकारिक फटकार से लेकर खिलाड़ी की मैच फीस के अधिकतम 50 फीसदी तक का जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

पाकिस्तानी खिलाड़ी ने अपराध स्वीकार कर लिया है। ऐसे में औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी।

इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 247 रन बनाए। टीम इंडिया की तरफ से हरलीन देओल ने 65 गेंदों में सर्वाधिक 46 रन जोड़े।

डायना बेग ने पाकिस्तान की ओर से सर्वाधिक 4 विकेट निकाले। उनके अलावा, सादिया इकबाल और कप्तान फातिमा सना को 2-2 विकेट हाथ लगे।

इसके जवाब में पाकिस्तानी टीम 43 ओवरों में महज 159 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की तरफ से सिदरा अमीन ने सर्वाधिक 81 रन बनाए। उनकी इस पारी में 1 छक्का और 9 चौके शामिल रहे। उनके अलावा, नतालिया परवेज ने 33 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि स्नेह राणा को 2 सफलताएं हाथ लगीं।